

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 19, 1987 (भाद्रपद 28, 1909)
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 19, 1987 (BHADRA 28, 1909)

भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
arate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III ---खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं
[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union
Public Service Commission, the Indian Government Railways and by attached
and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय]

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी
हैदराबाद-500252, दिनांक 19 अगस्त 1987

क्रमांक 15036/82-स्थापना-सरदार वल्लभभाई पटेल
राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में दिनांक 11-3-1983 से प्रति-
नियुक्ति पर आये आन्ध्र प्रदेश पुलिस विभाग के वर्ग-3 के श्री
एस० ए० सत्तार उप पुलिस अधीक्षक को इस अकादमी में
1 अगस्त, 1987 से स्थाई स्थानान्तरण के आधार पर 2000-
60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान
में पुलिस उप-अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया है।

2 यह गृह मंत्रालय, भारत सरकार के उनके पत्र क्रमांक
1-45020/54/85-पर्स-1 एफपी-3 दिनांक 31-7-1987
द्वारा सूचित सक्षम अधिकारी के अनुमोदन द्वारा जारी किया
जाता है।

ए० ए० अली
निदेशक

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 अगस्त 1987

सं० 3/18/87-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण
ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्वारा

केन्द्रीय सचिवालय राजभाषा सेवा के हिन्दी अधिकारी श्री सी०
एस० चतुर्वेदी को दिनांक 31 जुलाई, 1987 अपराह्न से अगले
आदेश होने तक के० अ० ब्यूरो में हिन्दी अधिकारी के रूप में
नियुक्त करते हैं।

सतीश साहनी
उप-निदेशक (प्रशासन)

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 अगस्त 1987

सं० ओ० दो० 1628/81-स्था० 1—श्री शादी राम,
पुलिस उप अधीक्षक, 75 बटा० के० रि० पु० बल ने नियम
43 (डी) (II) के० रि० पु० बल 1955 के अधीन स्वैच्छिक
सेवा निवृत्ति होने के फलस्वरूप अपने पद का कार्यभार
दिनांक 31-7-1987 (अपराह्न) को त्याग दिया।

संख्या डी० एक 46/85-स्थापना-1—श्री सोहन लाल,
सहायक कमांडेन्ट ने बी० बी० एस० बी० तलवारा से रिपैट्री-
एशन होने के फलस्वरूप 7 बटा० के० रि० पु० बल में दिनांक
10 अगस्त 1987 (पूर्वाह्न) को रिपोर्ट कर दिया।

एस० अशोक राज
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 अगस्त 1987

सं० ई-31013(2)/1/86-कार्मिक-1/77—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों की सहायक कमांडेंट के रूप में तदर्थ नियुक्ति की अवधि को 18-8-1988 तक या इन पदों पर नियमित रूप से चयन होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं :—

क्र० अधिकारी का नाम
सं०

सर्वश्री

1. वी० के० गुप्ता
2. वी० पी० प्रभु
3. बी० बी० सिंह
4. जी० एस० के० नायर
5. सी० एस० जी० शर्मा
6. एस० सी० सकलानी
7. उत्पल चौधरी
8. ए० एस० पैलादुरई
9. जी० एस० मेहरा
10. ओम प्रकाश
11. टी० डी० गोस्वामी
12. संजीत दास
13. आर० पी० मिश्रा
14. एस० एम० सिंह
15. एस० के० बोस
16. रघुबीर सिंह
17. सी० के० विष्ट
18. महाबीर सिंह
19. थामस मैथ्यू
20. एम० एस० गैन
21. एस० एस० गुसाई
22. बी० के० भावल
23. अब्दुल नईम
24. एच० सी० पाठक

दिनांक 14 अगस्त 1987

सं० ई-29020/4/82-कार्मिक-1/77—राष्ट्रपति, श्री आर० के० दीक्षित को दिनांक 1 जनवरी, 1981 से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में मूल रूप से सहायक कमांडेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 अगस्त 1987

सं० ई-16014(2)/6/87-कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री ए० जे० पनिकुलम, सहायक

कमांडेंट के० रि० पु० ब०, ने दिनांक 24 जून, 1987 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० बल यूनिट, नालको, दमनजोड़ी के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दुर्गामाधव मिश्र
महानिदेशक

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 अगस्त 1987

सं० 13/8/84-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशालय, संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ में कार्यरत श्री सी० डी० भट्ट, सहायक निदेशक जनगणना कार्य का केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 48 (1)(क) के अधीन तारीख 15 अक्टूबर, 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के लिए तीन माह का नोटिस स्वीकार करते हैं।

बी० एस० वर्मा
भारत के महारजिस्ट्रार

महालेखाकार (ले० प०) 1, का कार्यालय

महाराष्ट्र

बम्बई-400020, दिनांक 13 अगस्त 1987

सं० प्रशासन 1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/1 (1)/-186—महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखि गयी तिथियों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक लेखा परीक्षा अधिकारी पद पर सहर्ष नियुक्त किया है।

| क्र० | नाम | ले० प० अ० |
|------|-----|------------------------|
| सं० | | पद पर नियुक्ति की तिथि |

- | | | |
|----|----------------------|----------------------|
| 1. | श्री एम० डी० कुसुरकर | 15-6-87 पूर्वाह्न |
| 2. | श्री एम० यू० बारियर | 15-6-87 पूर्वाह्न |
| 3. | श्री वी० एस० दामले | 15-6-87 पूर्वाह्न |
| 4. | श्री एस० वी० रामपुरे | 15-6-87 पूर्वाह्न |

सं० प्रशासन 1/ले० प०/सामान्य/ले० प० अ०/सलेपअ/1-(1)/187—महालेखाकार (लेखा परीक्षा) 1, महाराष्ट्र के

निम्नलिखित अधिकारी अधिवर्षिता के कारण, उनके नामों के समक्ष लिखी तिथियों से सेवा निवृत्त हुए :—

| क्र० सं० | नाम | पदनाम | सेवानिवृत्ती की तिथि |
|----------|---------------------|-------------------|----------------------|
| | सर्वश्री | | |
| 1. | डी० एस० रांगपेकर | ले० प० अधिकारी | 31-3-87 अपराह्न |
| 2. | सी० डी० कुलकर्णी | " | 31-3-87 अपराह्न |
| 3. | बी० आर० दातार | " | 31-3-87 अपराह्न |
| 4. | आर० बी० चौबल | " | 31-3-87 अपराह्न |
| 5. | वी० एन० प्रभु | " | 31-3-87 अपराह्न |
| 6. | पी० के० पाटील | स० ले० प० अधिकारी | 30-4-87 अपराह्न |
| 7. | एम० डब्ल्यू० पडवाड | ले० प० अधिकारी | 31-5-87 अपराह्न |
| 8. | डी० आर० जिरगले | " | 31-5-87 अपराह्न |
| 9. | एम० एस० मेधराजानी | स० ले० प० अधिकारी | 31-5-87 अपराह्न |
| 10. | के० स्वामिनाथन | " | 31-5-87 अपराह्न |
| 11. | बी० आर० देशपांडे | " | 31-5-87 अपराह्न |
| 12. | के० एच० कृष्णमूर्ति | ले० प० अधिकारी | 30-6-87 अपराह्न |
| 13. | ए० आर० कृष्णन | " | 30-6-87 अपराह्न |
| 14. | बी० पी० गोरे | " | 30-6-87 अपराह्न |
| 15. | एस० डी० कुलकर्णी | " | 30-6-87 अपराह्न |
| 16. | एस० वी० देशपांडे | स० ले० प० अधिकारी | 30-6-87 अपराह्न |
| 17. | ए० यु० करपाते | " | 30-6-87 अपराह्न |
| 18. | पी० डी० देशपांडे | ले० प० अधिकारी | 31-7-87 अपराह्न |
| 19. | एम० जे० कांदे | " | 31-7-87 अपराह्न |

शुभलक्ष्मी

व० उप० महालेखाकार
(प्रशा०)

श्रम मंत्रालय

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1987

शुद्धिपत्र

सं० प्रशा० 1/12(57)/86—इस कार्यालय की अधि-
सूचना सं० प्रशा० 1/4(13)/87 दिनांक 15-6-87 की मद
सं० (9) के सामने पंक्ति 6 में तारीख 22-1-87 (पूर्वाह्न)
के स्थान पर तारीख 28-1-87 (पूर्वाह्न) पढ़ा जाए।

मदन मोहन

प्रशासन अधिकारी

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

विकास आयुक्त, लोहा और इस्पात का कार्यालय,

कलकत्ता-700020, दिनांक 20 अगस्त 1987

सं० ई० I-2(4)/86 (.)—प्रवोहस्ताक्षरी एतद्-
द्वारा श्री के० के० गाये की स्थापनापन्न रूप से प्रतिनिधित्व पर
स्थानान्तरण के आधार पर दिनांक 7 मई, 1987 से तीन वर्ष की
अवधि के लिए वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर नियुक्त
करते हैं।

दीपक कुमार घोष

विकास आयुक्त

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 18 अगस्त 1987

सं० 41560 बी/ए-32013/5-(यांत्रि० अभि० (वरि०))/-
80-19बी०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के
यांत्रिक अभियंता (कनिष्ठ) श्री कन्हैया सिंह को यांत्रिक
अभियंता (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार
3000-4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थापनापन्न क्षमता
में आगामी आदेश होने तक 29-6-87 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर
नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4574 बी/ए-32013/5-यांत्रि० अभि० (वरि०))/-
80-19बी०—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के
यांत्रिक अभियंता (कनिष्ठ) श्री एम० एस० सा को यांत्रिक
अभियंता (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार
3000-4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थापनापन्न क्षमता
में आगामी आदेश होने तक 19-6-87 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर
नियुक्त कर रहे हैं।

सं 4587 बी०ए 32013/5-यांत्रिक अभि० (वरि०)/80-19-बी०-राष्ट्रपति जा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के यांत्रिक अभियंता (कनिष्ठ) श्री एम० आर० पुताम्बेकर को यांत्रिक अभियंता (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 3000-4500 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 18-6-87 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डी० के० गुप्ता
वरिष्ठ उप महानिदेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 19 अगस्त 1987

शुद्धिपत्र

सं० ए-19011/319/87-स्था० ए०—दिनांक 15-7-86 के ए-19011/319/87-स्था० ए० संख्यक के अधीन जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन करने हुए श्री पी० आर० सरकार को भारतीय खान ब्यूरो में रु० 1100-50-1600/- (पुराना), रु० 3000-100-3500-125-4500/- (परिशोधित) वेतनमान में उपखनिज अर्थशास्त्री (सांख्यिकी), भारतीय खान ब्यूरो की सेवा ग्रेड 3 के पद पर दिनांक 10 फरवरी 1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया गया।

दिनांक 20 अगस्त 1987

सं० ए-19011(405)/87-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एन० डब्ल्यू० ग्रेडो, खनिज अधिकारी (आसूचना) की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) की दिनांक 11-8-1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की गई।

सी० सी० शर्मा
सहायक प्रशासक अधिकारी
कुते महानियंत्रक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 अगस्त, 1987

फा० सं० 12-3/87-स्था०—अर्वाहस्ताक्षरकर्ता श्री जे० सी० डाबी, सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड-1) (सामान्य) की 2000-60-2300-६० रो०-75-3200-100-3500 रु० के वेतनमान में 8 जून, 1987 पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक, तदर्थ आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) के पद पर एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं।

इस तदर्थ नियुक्ति से श्री जे० सी० डाबी को नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक अथवा दावा प्राप्त नहीं होगा और इस

ग्रेड में की गई सेवा को वरीयता के प्रयोजन तथा अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए माना नहीं जाएगा।

राजेश परती
अभिलेख निदेशक

अखिल भारतीय आकाशवाणी

नई दिल्ली, दिनांक 18 अगस्त 1987

सं० 1/12/85-एस-2—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप श्री आर० डी० बेली, प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय विक्रय एकांश, आकाशवाणी बम्बई 31-7-87 (अप-राह) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

आई० एस० पांथी
प्रशासन उपनिदेशक
कुते महानिदेशक

फिल्म प्रभाग

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

बम्बई 400 026, दिनांक 24 अगस्त 1987

सं० 40/पी० एफ०-11/48-ई-1—श्री बी० आर० गे त्वाणी, स्थायी सहायक प्रशासकीय अधिकारी, फिल्म प्रभाग, बम्बई जिनको सेवा निवृत्ति की तारीख 31-8-86 (अपराह्न) के पश्चात सेवा-काल में एक वर्ष की वृद्धि प्रदान की गई थी का दिनांक 20-8-87 (अपराह्न) में सेवामुक्त होने का अनुरोध स्वीकृत होने के फलस्वरूप उन्होंने 20-8-87 के अपराह्न में फिल्म प्रभाग बम्बई में सहायक प्रशासकीय अधिकारी पद का कार्यभार त्याग दिया है।

के० के० गुप्ता
सहायक प्रशासन अधिकारी

कृषि मंत्रालय

कृषि तथा सहकारिता विभाग

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई, 1987

मि० सं० 5-498/87-स्थापना-1—विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "बी") की सिफारिश पर श्री एच० पी० एस० पतंगा को सहायक सम्पादक (अंग्रेजी), सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप "बी" (राजपत्रित) के स्थायी पद पर दिनांक 26 मई 1986 से मूलरूप से नियुक्त किया जाता है।

आर० जी० बार्जी
निदेशक प्रशासन

वनस्पति रक्षा, संगरोध और सग्रह निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1987

सं० 7-3/87-प्रशासि प्रथम—पचार मन्त्रालय, दूर संचार विभाग, नई दिल्ली के श्री के० कृष्ण राव, लेखाधिकारी एतद्द्वारा 2375-75-3200-व० रो०-100-3500 रूप के वेतनमान में 29-7-87 (पूर्वाह्न) से आरम्भ से दो वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर इस निदेशालय में अगले आदेशों के जारी होते तक लेखाधिकारी के रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

डा० रतन लाल रजक
भारत सरकार के वनस्पति-रक्षण सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 085, दिनांक 14 अगस्त, 1987

संदर्भ : क्रमनि/2/1(11)/83-प्रशा/31786—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी श्री श्रीकांत बी० सावन्त को इसी निदेशालय में दिनांक 3 अगस्त, 1987 से अगले आदेश होने तक रूप 2000-60-2300-व० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर अस्थाई तौर पर म्याापाव रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुवकर्णी
प्रशासि और का

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुलाई, 1987

सं० ए-32013/2/83-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 29 जून, 1983, 1 अक्टूबर, 1983, 29 नवम्बर, 1983 और 27 फरवरी, 1984 की अधिसूचना सं० ए-32013/2/83-ई सी० का अधिक्रमण करते हुए, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी तारीख से तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

| क्रम सं० | नाम | पदोन्नति की तारीख |
|----------|----------------|---------------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| सर्वश्री | | |
| 1. | एच० एम० गाहले | 5-5-83 (प्रोफार्मा पदोन्नति) |
| 2. | एस० के० दास | —वही— |
| 3. | ओ० पी० दीक्षित | —वही— |

| 1 | 2 | 3 |
|----------|----------------------|----------------------------|
| सर्वश्री | | |
| 4. | आर० वी० ईमरानी | 5-5-83 प्रोफार्मा पदोन्नति |
| 5. | के० डी० मुखर्जी | —वही— |
| 6. | डी० एम० गिल | —वही— |
| 7. | पी० बी० सुब्रह्मण्यन | —वही— |
| 8. | आर० एन० दत्ता | —वही— |
| 9. | एम० वी० धर्मे | —वही— |
| 10. | एम० एस० पाराशर | —वही— |
| 11. | जे० भारद्वाज | 16-7-83 |
| 12. | एम० एम० साहनी | 5-5-83 |
| 13. | एन० एस० मिश्र | —वही— |
| 14. | एस० आर० पदमानाभन | —वही— |
| 15. | एस० रामास्वामी | —वही— |
| 16. | पी० ए० शास्त्री | —वही— |
| 17. | के० वी० नन्दा | —वही— |
| 18. | एल० आर० गोयल | —वही— |
| 19. | एच० एम० वाजवा | —वही— |
| 20. | एच० एस० प्रेवाल | —वही— |
| 21. | एम० जी० सुदर्शन | —वही— |
| 22. | ओ० पी० भल्ला | —वही— |
| 23. | ए० राजागोपालन | —वही— |
| 24. | मख्तियार सिंह | —वही— |
| 25. | आर० राममूर्ति | —वही— |
| 26. | एम० राघवन (अ० ज०) | —वही— |
| 27. | एम० ए० राव | —वही— |
| 28. | सुरजीत सिंह | —वही— |
| 29. | एम० पी० सामा | —वही— |
| 30. | पी० के० के० पिल्लै | —वही— |
| 31. | जे० के० चौपड़ा | —वही— |
| 32. | एच० एम० सरना | —वही— |
| 33. | एन० एम० आप्टे | —वही— |
| 34. | टी० एम० कृष्णमूर्ति | —वही— |
| 35. | वी० के० शर्मा | —वही— |
| 36. | टी० आर० मेनन | —वही— |
| 37. | मनोहर सिंह | —वही— |
| 38. | पी० एन० नायर | —वही— |
| 39. | के० सी० देवगुण | —वही— |
| 40. | वी० पी० नारग | —वही— |
| 41. | एस० एस० नेपाली | —वही— |
| 42. | ए० के० डे | —वही— |
| 43. | आर० विठ्ठल सिंह | —वही— |
| 44. | पी० सी० जैन | —वही— |
| 45. | हरभगवान | —वही— |
| 46. | टी० डी० शर्मा | —वही— |
| 47. | पी० के० सेनगुप्त | —वही— |

| 1 | 2 | 3 | 1 | 2 | 3 |
|-------------------------------|---|--------|-----------------------------|---|----------|
| सर्वश्री— | | | सर्वश्री— | | |
| 48. जो० डो० कुलकर्णी | | 5-5-83 | 3. पी० बी० गुप्ता | | 20-05-87 |
| 49. आई० जे० शर्मा | | —वही— | 4. एम० एस० शेट्टी | | 20-05-87 |
| 50. के० एस० बालासुब्रह्मण्यन् | | —वही— | 5. एम० बी० जोशी | | 20-05-87 |
| 51. एम० डी० रंगनाथन | | —वही— | 6. श्रीमती एस० पी० देशपांडे | | 20-05-87 |
| 52. एच० एल० शर्मा | | —वही— | 7. एम० पी० जोशी | | 20-05-87 |
| 53. वाई० पी० भाटिया | | —वही— | 8. ए० एस० रोहिरा | | 21-05-87 |
| 54. डी० एन० विश्वास | | —वही— | 9. एस० आर० मनोली | | 21-05-87 |
| 55. ए० के० मिश्रा | | —वही— | 10. डी० एम० बकनेटी | | 21-05-87 |
| 56. एच० सी० तिवारी | | —वही— | 11. आर० के० नायर | | 21-05-87 |
| 57. ए० सी० दत्ता | | —वही— | 12. बी० एस० मूलचन्वानी | | 21-05-87 |
| 58. सी० आर० वासगुप्ता | | —वही— | 13. एम० डब्ल्यू० भिसे | | 03-06-87 |
| 59. एम० बी० गजभिये (अ० ज०) | | —वही— | 14. डी० डी० सोमानी | | 31-07-87 |

दिनांक 31 जुलाई 1987

सं० ए-32013/4/85-ई० सी० —इस कार्यालय की दिनांक 26 नवम्बर 1984 की अधिसूचना सं० ए-32013/5/80-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री आर० एस० गहलोत की उपनिदेशक संचार के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की प्रतीति को दिनांक 1-1-1985 से 13-11-1985 तक और आगे बढ़ाने की मंजूरी दी है।

श्री आर० एस० गहलोत इस बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि के फलस्वरूप, उपनिदेशक/नियंत्रक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर पदोन्नति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा की अवधि उपनिदेशक नियंत्रक संचार के ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिए अथवा अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पात्रता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

मुकुल भट्टाचार्य
उपनिदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-III समाहर्ता का कार्यालय

बम्बई-400 028, दिनांक 24 अगस्त 1987

सं० 1139-26/86-टी० एच०-1—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-III के निम्नलिखित श्रेणी निरीक्षकों की पदोन्नति पर उनके नामों के आगे दर्शित तिथि से बम्बई- केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय में समूह "ख" के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है :-

| क्र०सं० | नाम | कार्यभार सम्भालने की तिथि |
|------------------|-----|---------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| सर्वश्री— | | |
| 1. एम० एस० देसाई | | 20-5-87 |
| 2. पी० वाय० काले | | 20-05-87 |

आर० के० थावानी
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-III

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं कोल्हापुर बिल्डर प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1987

सं० 673/16087/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोल्हापुर बिल्डर प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं चीफ प्रोडक्ट प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1987

सं० 671/15252/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चीफ प्रोडक्ट प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं लोखण्डवाला फायनान्स एण्ड चिट फण्ड प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1987

सं० 676/16522/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि लोखण्डवाला फायनान्स एण्ड चिट फण्ड प्रा० लि० का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं ईगल फिल्म एण्ड फायनान्स प्रा० लि० के विषय में

बम्बई, दिनांक 5 अगस्त 1987

सं० 715/13795/560(5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईगल फिल्म एण्ड फायनान्स प्रा० लि० लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

ह०/-अपठनीय
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फोर्ज एण्ड एलाइड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
जालन्धर, दिनांक 18 अगस्त 1987

सं० 91861/560/474--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवसान पर फोर्ज एण्ड एलाइड इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

सत्येन्द्र सिंह
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पं०, हि० व चण्डीगढ़

करण, नागपुर पीठ०, नागपुर जिन्हे तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, कटक पीठ, मुख्यालय, बम्बई में दिनांक 1-6-87 से तीन माह की अवधि के लिए इस कार्यालय की दिनांक 10-6-87 समसंख्यक अधिसूचना द्वारा नियुक्त किया गया था, को उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, कटक पीठ, मुख्यालय हैदराबाद में दिनांक 1 सितम्बर 1987 से और 3 माह की अवधि के लिए कार्य करते रहने की अनुमति दी जाती है ।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और श्री व्ही० आर० कन्हाई की। उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई पात्रता नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रवक्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी ।

सं० एफ०-47-ए० डी० (ए० टी०)-50-पी०--आयकर अपीलीय अधिकरण के निम्नलिखित अधिकारी, जो सहायक पंजीकार के पद पर स्थापनापन्न रूप से कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति की पुष्टि दिनांक 27 जुलाई 1987 से की जाती है :—

1. श्री के० एन० कोठियाल
2. श्री एस० प्रसाद
3. श्री पी० के० मलहोत्रा
4. श्री पी० बी० बोधारे
5. श्री एन० जी० चतुर्वेदी
6. श्री जे० एस० छिलर

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 19 अगस्त 1987

सं० एफ०-48-ए० डी० (ए० टी०) 1987—श्री व्ही० आर० कन्हाई, हिन्दी अनुबाधक आयकर अपीलीय अधि-

सी० एच० जी० कृष्णामूर्ति
अध्यक्ष

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, पूना

पूना, दिनांक 22 जुलाई, 1987

निदेश सं० 3766/4795/86-87—अतः मुझे, अंजनी
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 247-ए, बंड गार्डन मार्ग पुणे,
है तथा जो पुणे में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय पुणे में सहायक आयकर आयुक्त अधिनियम 1961
की धारा 269-ए० बी० के अधीन तारीख 15-12-1987,
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गन्धपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्व आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ताराचंद शेरूमल आधवानी श्रीमती जानकी भगवानदास
गोस्वामी बी-9-10, न्यू० अप्सरा अपार्टमेंट्स को-आप०
हाउसिंग सो० बंड गार्डन मार्ग पुणे ।

(अन्तरक)

(2) मे० मकबानी ब्रवर्स 441, सोमवार पेठ पुणे-11
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत क्र० 37ईई/4795/86-87 जो
15 दिसम्बर, 1986 की सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा गया है ।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 22-7-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 अप्रैल 1987

निदेश सं० डी० आर० 1788--अत० मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1, 2, 3, 4, 5, 6, है तथा जो सैंट
इनेज, पणजि में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती कुंदा एन० भंडारे (2) श्री लक्ष्मीकांत
एम० भंडारे विल्लाप्रोविन्ट--मार्कान पणजि,
गोआ

(अन्तरक)

(2) मेमर्स माधवी इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग (प्रा०)
लि०, I फ्लोर, रोशन महल, स्वतन्त्रपत, वास्को
ड-गामा, गोआ

(अन्तरिती)

(3) रूक्षादा दाहद जोहान, चलता नं० 1 से 6, सैंट
इनेज पणजि, ओआ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) (1) श्री आर० एम० भंडारे }
(2) श्रीमती जी० आर० भंडारे }
(3) एम० के० भंडारे } चलता नं० 1 से 6
(4) मि० एफ० एम० गोम्म } सैंट इनेज,
(5) विनसेट पेरीरा } पणजि, गोआ

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित

अनुसूची

(इ तावेज सं० 1416/86-87 दि० 5-12-86)

सब अग्रिकलचरल सम्पत्ति (जिसका नाम 'भासकोंडा'
बेरिंग सीटी सर्वे चलता नं० 1, 2, 3, 4, 5 और 6, आफ
पी० टी० शीट नं० 112, सैंट इनेज, पणजि, गोआ में स्थित
है, जिसका विस्तीर्ण 47,000 स्क्वेयर मी० है और जिसका
पूरा विवरण मेल अप्रीमेंट ता० 9-9-86 में दिखाया है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 7-4-86

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987,

निदेश सं० 2 सी/3आईई/40942/86-87—अतः मुझे

वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-
से अधिक है और जिसकी संख्या

फ्लैट नं० 2, जेनीयस, जे बी पी डी स्कीम बम्बई 49
में स्थित है (और इसमें पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8-12-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसके
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से
काय्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा उक्त नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मोहीनी यू० रामचंदानी

(अन्तरक)

(2) श्री वही सी० मूस्ताफा ।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो तल और पहली मंजिल जेनीयस
गुलमोहर काम रोड नं० 7 जे बी पी डी स्कीम बम्बई
400049 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-2सी/37आईई/40942/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
8-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

वि० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-1987
मोहर :

प्ररूप आई टी.एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे. 2मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० आई-2मी/37ईई-002/86-87—अन मुझे,

वी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्फेक्स फ्लैट न० 2, यहिन्द, एन० एम० रोड, बम्बई-49 में स्थित है (और इसमें उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8-1-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जसना रामचंद्र की तारा, जो विर्नब जॉन्स कॉलाबाला, श्री दिाक आर० की तारा (अन्तरक)

(2) श्री नवीन त्रिवेदी और श्रीमती उमा देवी त्रिवेदी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्फेक्स फ्लैट यूनिट न० 2, निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट न० 56, इन्फेक्स 04, यमिह का० आ० हाउसिंग सोसायटी निमिटेड, एन० एम० रोड, बम्बई 500049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2मी/37ईई-002/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-1-1987 को रजिस्ट्री किया गया है।

वी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे. 2मी, बम्बई

तारीख : 31-7-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० आई-2सी/37ईई-40810/86-87—अतः मुझे,
बी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 701, पाल्म बीच, जूहू, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रां पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्ग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

- (1) गुरमीत सिंह एम० घोडी और रीटा जी० घोडी
(अन्तरक)
- (2) मिक्न्दरलाल कपूर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 701, जो मातवी मंजिल, पाल्म बीच, गांधीग्राम
रोड, जूहू, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2सी/37ईई-40810/-
86 87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-86
को रजिस्ट्री किया गया है।

बी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2सी, बम्बई

तारीख 31-7-87
मोहर :

प्रकट नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अट्ट-2सी/37ईई-50825/86-87—अतः मुझे,
बी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इससे परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 21, संजय प्लाजा, जुहू, बम्बई 49
में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
शास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के शब्दबलार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ग्राह् अब्बास सादीक अली खान उर्फ संजय खान
और श्रीमती सरीन अब्बास खान

(अन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टील

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 21, जो दूसरी मंजिल, संजय प्लाजा, जुहू, बम्बई
400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अट्ट-2सी/37ईई-40825/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एस. :—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-2सी/37ईई-40821/86-87—अन. मुद्रा,
वी० बी० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी प्लॉट नं०, महत रोड विने पाले (पु),
बम्बई-57 में स्थित है (और जो उक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा, आयकर अधिनियम की
धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है तारीख 2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में दर्शाया
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगकर्ता अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गजानन कृष्णाजी वैद्य और मिनाक्षी गजानन वैद्य
(अन्तरक)

(2) होमनेड्स कोरपारेजन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना दी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा और कृष्णा कोटेज जो महत रोड एक्सप्लेशन
विने पाले (पु), बम्बई 400057 में स्थित है।

अनुसूचीप्राप्तिक सं० सं० अई-2सी/37ईई-40821/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1986
को रजिस्ट्री किया गया है।

वी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती रायग हसीन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डा० सुशीला पटेल श्रीरदाबुमाई के पटेल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

अर्जन रेंज 2मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1987

निर्देश सं० आई-2मी/37ईई-40827/86-87---अ-1 मुं०,

वी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27, सी० क्वी०, जुहू तारा रोड, बम्बई-54 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(घ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उधेने में सुविधा के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्लॉट नं० 27, जो चौथी मंजिल, ब्रिडिंग नं० 3, सी० क्वी०, प्लॉट नं० 16, जुहू तारा रोड, बम्बई 400054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2मी/37ईई-4087/86-87 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2मी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख . 31-7-87

मोहर :

व्यक्त बाई.टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज 2मी, बम्बई

बम्बई, पदिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-2मी/37ईई-40846/86-87—अतः मुझे,
वी० बी० गुप्ता

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट नं० 1, कम्पना अपार्टमेंट, जिने पार्ले (प),
बम्बई 56 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिनका कारारनामा आयकर अधिनियम की
धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है तारीख 4-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
साया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में क्षमता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में क्षमता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्न नवभारत कन्सल्टेंट को०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तला आसनदास और मास्टर राजीव
आसनदास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1, जो पहली मंजिल, कम्पना अपार्टमेंट, प्लेट नं०
16, वावाभाई रोड, जिने पार्ले (प), बम्बई 400056 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2मी/37ईई-40846/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-12-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-2मी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहर :

उक्त आदेश की प्रतः सूचना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, 2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-2सी/37ईई-40957/86-87—प्रतः सुमे,
बी० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, रीवियारा जुहू, बम्बई-49 में
स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख
11-12-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथपूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भुम या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुमकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए या, जिन्हें में सुविधा के
लिए;

धनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3 —246GI/87

(1) श्रीमती चन्दन एस० देसाई और श्री उनी एस० देसाई
(अन्तरक)

(2) श्री युगेश एस० मेहता और श्रीमती जयेंद्र व्हाय मेहता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो रीवियारा बिल्डिंग, पाल्म बीच, रीवियारा
को० प्रा० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, गांधीग्राम रोड जुहू
बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-2सी/37ईई-40957/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, 2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स काकड एण्ड मन्त

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एस० एल० प्रोपर्टी डेवलपर्स

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० आई-2सी/37ईई-40930/86-87—आ: मुझे, वी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 230, विलेज, ईर्ला, विले पार्ले, बम्बई है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 230, हिस्सा नं० 4, 5, 6, 12, 13, सीटीएस नं० 704, 705, विलेज ईर्ला, विले पार्ले, बम्बई में है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2सी/37-ईई-40930/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, 2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-1987
मोहर :

भारत सरकार

(1) श्रीमती जयेंद्रा देवी मेहता

(अन्तरक)

(2) योगेश बी० गोराडीया

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई,

बम्बई विनांक 31 जुलाई 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

निर्देश सं० अई०-2सी/37ईई-40958/85-87— अतः

मुझे, वि० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या, फ्लैट नं० 303, री वियारा बिल्डिंग जुहू, बम्बई 49 में स्थित है। (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 11-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण के द्वारा किसी जाब की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

फ्लैट नं० 303, री वियारा बिल्डिंग, पाल्म बीच, री वियारा को० आ० हाऊडसिंग सोसायटी लिमिटेड, गांधीग्राम रोड, जुहू, बम्बई 400049 में स्थित है।

अनुसूची जसा कि क्र० सं० अई-2सी/37ईई-40958/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

(1) ललीतकुमार कमले पारेख और अन्य

(अन्तरक)

(2) जगमोहनदास करसनवास पबारी एचयुएफ और अन्य
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० आई-2सी/37ईई-41018/86-87—अतः मुझे,

बी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हरेश विला, जमीन का हिस्सा, नेहरू रोड, विले
पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपानब्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 12-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हरेश विला बिल्डिंग और जमीन का हिस्सा जो फायनल
प्लान नं० 142, टीपीएस 2, सर्वे नं० 79, हिस्सा नं० 10
(पार्ट), सीटीएस नं० 1211, 1211 (1 से 8), नेहरू रोड,
विले पार्ले (पु), बम्बई 500057 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2सी/37ईई-41018/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहर :

प्राकृतिक आर्.टी.एन.एस.-----

(1) एच० सी० शर्मा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स नताशा कनस्ट्रक्शन प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० आई-2सी/37ईई-41037/86-87—प्रतः मुझे;

वी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 33, हिस्सा नं० 2 (पार्ट) विले पार्ले (पु), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-12-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया है कि, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विविध में वास्तविक रूप से की गई नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावत में कमी करने या उसके बचने में सूचना के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

आ: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अतिरिक्त, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा-बहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किष्ट जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 33, हिस्सा नं० 2 (पार्ट), सीटीएस नं० 24, विले पार्ले (पु), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2सी/37ईई-41037/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया।

वी० बी० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख: 31-7-87

मोहर:

प्रकृत बाह्यः डी.एन.ए.-----

- (1) श्री शाहू अम्बास सादीक अली खान उर्फ संजय खान और श्रीमती सरीन अम्बास खान
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स टीना स्टील्स
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-2सी/37ईई-40823/86-87—अतः मुझे,

वी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बेसमेंट सं० प्ला नं०, जुहू, बम्बई 49 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में प्रो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट जो संजय प्लाजा, प्लॉट नं० 2, सील्वर बीच इस्टेट सर्वे नं० 74-ए (पार्ट), सर्वे नं० 40, हिस्सा नं० 3, सर्वे नं० 38, हिस्सा नं० 1 (पार्ट), सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 4ए (पार्ट), हिस्सा नं० 4सी (पार्ट), बिले जुहू, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2सी/37ईई-40823/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

मोहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2मी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देशांशः अई-2मी-37ईई/41243/86-87—अत मुझे,
बी० बी० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं० 42, सातवा रोड, जेबीपीडी रोड
स्कीम, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 29-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
को दिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हिरेन मनहरलाल त्रि

(अन्तरक)

(2) मैसर्स तीहार कनस्ट्रक्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 42, सातवा रोड,
जेबीपीडी रोड, स्कीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-2सी/37ईई-41243/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-12-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87
मोहर :

प्रकृष जाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती अरुनाबेन मनहरलालशाह

(अन्तरक)

(2) मैसर्स बिहार कन्सट्रक्शन्स

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-2सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1987

निर्देश सं० अई-2सी/37ईई-41242/86-87—प्रतः मुझे,

वी० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 51, सातवा रोड, जेजीपीडी स्कीम,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है और) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्री है तारीख 29-12-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
बार/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, विधाय में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सच्चा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 51, सातवा रोड,
जेजीपीडी स्कीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2सी/37ईई-41242/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29-12-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० बी० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-2सी, बम्बई

तारीख : 31-7-87

महूर :

आरूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती धुन दारा केलावाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शरद ठाकोरभाई पटेल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त, 1987

निर्देश सं० अई-1-बी/37ईई-132/5067/86-87—अतः

मुझे, आर० सी० प्रमाणिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० रतन आबाद को० आप० हाउसिंग सोसायटी, तुकाराम जावजी रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और जो इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा अधिकार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करन या उचित बचन में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

4—246GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 39, जो पाचवी मंजिल, रतन आबाद को० आप० हाउसिंग सोसायटी तुकाराम जावजी रोड, बम्बई 400007 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-बी/37ईई-11256/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1-बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

सूचना क्र. टी. एच. एन. १८८८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० अई-1-बी/37ईई-133/5259/87-87—अतः

मुझे, आर० सी० प्रमाणिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिह्न
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेकधर करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, गीरनार बिल्डिंग, तारदेव रोड,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेकधर
करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक
है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
माध्यम से करी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री दिपक कांतीलाल बदीयानी, श्रीमती मालती दिपक
बदीयानी और मास्टर सौराभ दिपक बदीयानी
(अन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मीचन्द राजजीभाईशाह, श्रीमती हेमलता
लक्ष्मीचन्द शाह और मास्टर परेश लक्ष्मीचन्द शाह
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लक्ष्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, गीरनार बिल्डिंग, जय
गीरनार प्रोमायसेस को० आप० सोसायटी लिमिटेड, तारदेव
रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1-बी/37ईई-11259/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-12-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1-बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शीराज गुलामली लेहरी और अन्य

(अन्तरक)

(क) बोम्बे मरकंटायल को० आप० बैंक लिमिटेड

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रे -1,वी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त, 1987

निर्देश सं० आई-1-ब/37ईई-134/13766/86-87--

अतः मुझे आर० सी० प्रमाणिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० नव-रतन विलिडिंग न० 2 में तिसरी, चौथी पांचवी मजिल, प्लॉट न० 69, पी० डी मेलो रोड, बम्बई 9 में स्थित है (और इस उदावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11-12-1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रमाणिक रूप में अधिक है और अंतरक (अन्तरक) और (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निहित या बाधक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

1. उक्त सम्पत्ति के मूल्य के किसी भाग के अन्तर्गत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर से अन्तरक के दायित्व के अन्तर्गत कर के बावजूद अन्तर्गत सम्पत्ति के लिए; और/या

2. ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट रहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के संबंध में निम्न कार्यवाहियां करता हूँ :

उक्त सम्पत्ति के संबंध में सूचना के बावजूद भी बाधक :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नव-रतन विलिडिंग न० 2, में तिसरी, चौथी और पांचवी मजिल, जो प्लॉट न० 59, पी० डी मेलो रोड, बम्बई 400009 में स्थित है।

अनुसूची जसाहक क्र० सं० आई-1-बज/37ईई-11272/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-12-86 कश रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रे ज-1,वी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस. ———

(1) राजकमल कलामन्दिर पी० लिमिटेड और वी शांताराम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(क) मैमर्स रमेश डेवलपर्स

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निदेश सं० आई-1बी/37ईई-135/13780/86-87—

अतः मुझे आर० सी० प्रमाणिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, प्लॉट नं० 2ए, सीएम नं०

191, डा० एस० एस० रोड, लोअर परेज, बम्बई 12 में स्थित

है (और हमने उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और

जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख

12-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 2ए, सीएम नं० 191, लोअर परेज डिविजन, डा० एस० एस० रोड, लोअर परेज, बम्बई 400012 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1बी/37ईई-11281/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-12-86 को रजिस्टर्ड किया गया।

आर० सी० प्रमाणिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

तारीख : 10-8-1987

मोहर :

प्रत्येक भाग की एक एक

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेश-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निदेश सं० आई०-1-ब/37 ईई०-137/13739/86-87-

अन सुसे आर०सी० प्रमाणिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य और जिसकी स० प्लेट न० 7, कल्याण कोर्ट, के० ब्लाक, सीका नगर, विठलभाई पटेल रोड, बम्बई-4 में स्थित है (और जो इसमें उल्लेखित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के लिए ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इनके अन्तरक या बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी भाग या किसी भग या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण से, अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) हरीदाम लिम्बनदास शोध और श्रीमती भगवती हरीदाम शोध

(अन्तरक)

(2) पूउमदमल नचन्द और कमलेशकुमार उमदमल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यालय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पात्र निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधन 1:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 7, जो दूसरी मंशिर, कल्याण कोर्ट को० आर० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, के ब्लाक, सीका नगर, विठलभाई पटेल रोड, बम्बई 400004 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० स० आई-1बी/37ईई-11234/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेश-1 बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

माहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें : 1वी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-1वी/37ईई-138/13746/86-87—

अतः मुझे, आर० सी० प्रमाणीक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सीएस नं० 146,
जिसके ऊपर इमारत, लोअर परेल डिविजन, बम्बई 13 में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है; और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख
के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है
तारीख 3-12-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
इसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का वन्धु
होतव्य है अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एवं अन्तरक के बिन्दु तक बाधा नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
व्यक्तिगत रूप से उद्देश्य नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी रन या अन्य बातों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स नोबल पेंट एण्ड वार्नीश प्रायवेट लिमिटेड
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सारंगा अनिल अग्रवाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का वह हिस्सा जिसका सीएस नं० 146 लोअर परेल
डिविजन, और जिसके ऊपर इमारत, जो फरगुसन रोड, लोअर
परेल डिविजन, बम्बई 400013 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1वी/37ईई/11236/ 6-
87 और जो संक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1986
को रजिस्टर्ड किया है।

आर० सी० प्रमाणीक
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1वी, बम्बई

तारीख : 10-8-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 1-बी, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-1-बी/37ईई-139/13747/86-87—

अतः मुझे, आर० सी० प्रमाणीक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 21 महेश चैम्स 391 नरणी नाथा
स्ट्रीट बम्बई-9 में स्थित है (और जो इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 3 दिसम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिमत बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) एकी निती बाव या किसी भव या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सज्जध
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भानूशकर गीरजाशंकर भट्ट श्री नवनीतलाल
गीरजाशंकर भट्ट श्री हममुखलाल गीरजाशंकर भट्ट
(अन्तरक)

(2) तमिलनाडु मर्कटाईल बैंक लिमिटेड
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाव में समाप्त हो गई हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्यताकारी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क. में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"प्लॉट नं० 21 जो महेश चैम्स 391 नरणी नाथा स्ट्रीट -
बम्बई-400009 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1-बी 37ईई-11237
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
3-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणीक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज 1-बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1-बी बम्बई

बम्बई दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-1-बी 37ईई-140/13750/86-87—

अतः मुझे आर० सी० प्रमाणीक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('थिर्ड इक्व' इसके पश्चात् 'जम्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० प्लैट नं० 28 बिल्डिंग नं० 1 नवजीवन सोसायटी लेमिंगटन रोड बम्बई-8 में स्थित है (और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 3 दिसम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल का पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ग) उन्नी किमी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती ईशावाई एन० तोपदामानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमन एन० जेमवानी श्रीमती रेनु ए० जेमवानी श्रीमती कीशल्या एन० जेमवानी और श्री लच्छू आई० जेमवानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरों के पक्ष लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में बिधा किया है ॥

अनुसूची

"प्लैट नं० 28 जो बिल्डिंग नं० 1 नवजीवन को० ग्राम० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड लेमिंगटन रोड बम्बई 400008 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० आई-1-बी०/37ईई-11239/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणीक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1-बी बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर।

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

(1) मेमर्स श्रेयांस बी० शाह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेमर्स एसकेमो एक्सपोर्ट्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1-बी बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-1-बी 37ईई-141 13755 86-87—

अतः मुझे, आर० सी० प्रमाणीक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 539, पंचरत्न, ओपेरा हाउस, बम्बई 4
में स्थित है (और जो इसमें उपाध्व अनुसूची में और
रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 4 दिसम्बर
1986

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केंद्रस्थान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—246 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जबाबदारी के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 539, जो पांचवीं मंजिल, पंचरत्न, ओपेरा
हाउस, बम्बई 400004 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1-बी 37ईई/11243
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
4-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणीक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज 1-बी, बम्बई

दिनांक 10-8-1987

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच. : -----

वाक्यधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज 1-बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० अई-1-बी/37ईई-142/13819/86-87—

अतः मुझे, आर० सी० प्रमाणिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसकी प्रस्ताव 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
5,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट न० 6, सी०
एस० न० 191 (पाट), लोवर परेल डिविजन, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 16 दिसम्बर 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
कमाल प्रतिफल से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और
बन्तरिती (बन्तरिती) के बीच ऐसे बन्तरन की लिए एक
समय तक प्रतिफल निम्नलिखित अनुक्रम से उक्त बन्तरन
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक की
व्ययत्व में कमी करने या उक्त करने में द्विविध
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी अन्य आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रमाण-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में द्विविध के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) राजकमल कला मंदिर प्राइवेट लिमिटेड और वही
शानागम उर्फ शानाराम राजागम बहुदेकर
(अन्तरक)
- (2) मेसर्स देमल कनस्ट्रक्शन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

बन्तरिती ;—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, एवं उक्त
अधिनियम के बन्धाव 20-क में परिभाषित
है, नहीं बर्ण होता, जो उक्त बन्धाव में दिया
गया है।

अनुसूची

“जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट न० 6, सी० एस० न०
191 (पाट), लोवर परेल डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1-बी/37ईई-11300/
86-87 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
16-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज 1-बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) राजकमल कला मंदिर प्राइवेट लिमिटेड और अन्य।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स नताशा कनस्ट्रक्शन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37ईई-143/13818/86-87—

अतः मुझे, आर० सी० प्रमाणीक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
आ कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
5,00,000/- रु से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, प्लॉट नं० 8, सी० एस० नं०
191 (पार्ट), लोअर परेल डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 15 दिसम्बर 1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 8, सी० एस० नं०
191 (पार्ट), लोअर परेल डिविजन, जिसका क्षेत्रफल
1043.72 स्क्वियर मीटर्स, बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1बी/37ईई-11299/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
15-12-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणीक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

प्रकृष माई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स जयंत डिवलेपमेंट कार्पोरेशन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स जे० व्ही० नवलाखी एण्ड को० ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37ईई-150/8007/86-87--

अतः मुझे, आर० सी० प्रमाणीक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जयवंत अपार्टमेंट, दादरकर कंपाउंड तुलसी वाडी, तारदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 13 जनवरी 1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैट नं० 1, जो सोलवी मंजिल, जयवंत अपार्टमेंट, दादरकर कंपाउंड, तुलसी वाडी, तारदेव रोड, बम्बई 400034 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1बी/37ईई-11318/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-1-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० सी० प्रमाणीक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -1बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

प्रकृष आर्इ टी एन एल एल-----

(1) श्रीमती दिनाबेन सुधीर शाह ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मागर एम० मेहता ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अगस्त 1987

निर्देश सं० अर्इ-1-बी/37ईई-149/13849/86-87—

अतः मुझे आर० सी० प्रमाणीक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेंट न० 814, प्रसाद चेंबर्स, ओपेरा हाउस, बम्बई 4 में स्थित है (और जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 जनवरी 1987,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"अपार्टमेंट नं० 814, जो आठवीं मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, ओपेरा हाउस, बम्बई 400004 बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अर्इ-1-बी/37ईई-11311/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

आर० सी० प्रमाणीक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1-बी, बम्बई

दिनांक : 10-8-1987

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एल.-----

**भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई, 1987

निदेश सं० पी० आर० न० 4756/II/87-88--अतः
मुझे, अ० के० सिन्हा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1-00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन सीटी एम० न० 2395 बलसाड कसबा
है तथा जो बलसाड में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
1-5-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जेवचलाल ब्रिजभूषणदास श्राफ } एच० यू० एक०
श्री मुकेश जेवचलाल श्राफ } बलसाड
श्री उमेश जेवचलाल श्राफ }

श्री भरत मोतीलाल श्राफ } बम्बई
श्री रंजीत शातीलाल श्राफ }
श्री प्रदीप शातीलाल श्राफ }

(अन्तरक)

2. मे रवि कोर्पोरेशन,
भागीदार : रविन्द्र गडुलाल कंसारा,
मोटा पारसवाड,
बलसाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बलसाड कस्बा में स्थित है जिसका सीटी सर्वे
न० 2395 है। उनका कुल क्षेत्रफल 7834-71-87 चौ० मीटर
है चौकी 2812 चौ० मी० खुली जमीन है। सब रजिस्ट्रार,
बलसाड में 737/87नजर पर दिनांक 31-5-87 को रजिस्टर्ड
की गई है।

अ० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 29-7-1987
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1988

नई दिल्ली, दिनांक 19 मितम्बर, 1987

नोटिस

सं. एफ. 14/3/87-प. 11(ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नीचे पैरा 2 में दी गई सेवाओं तथा पदों पर भर्ती हेतु 28 फरवरी, 1988 को अगरतला, अहमदाबाद, एंजल, इलाहाबाद, गंगौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कांचीन, कटक, दिल्ली, धारवाड़, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा) पटना, पोट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरुपति, त्रिचन्द्रम, उदयपुर और विशाखापट्टनम में एक सम्मिलित परीक्षा ली जायेगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विद्वक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश के दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जायेगी [नीचे पैरा 19 (2) देखिये]।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन में सम्बन्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जायेगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात पर पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिये कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोध पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जायेगा किन्तु 28 जनवरी, 1988 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

2. जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जानी है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है :—

- (1) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी।**
- (2) भारतीय आयुध कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ घेतनमान पद।**
- (3) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ घेतनमान पद—200 (इनमें 30 अ. जाति तथा 15 अ. ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (4) दिल्ली नगर निगम में सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी—75 (इनमें 11 अ. जाति तथा 6 अ. ज. जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।

—इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

**रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में परीक्षा में

प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है। उम्मीदवारों को उचित समय पर सेवाओं/पदों के लिये अपना वरीयता क्रम बताना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा प्रवेश पाना चाहता है। तो भी उसने एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित शर्तों भी उसमें देखल एक ही बार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नहीं, जिसके लिये वह आवेदन कर रहा है।

4. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रीयता :

उम्मीदवार को या तो :—

- (1) भारत का नागरिक होना चाहिये, या
- (2) नेपाल की प्रजा, या
- (3) भूटान की प्रजा, या
- (4) ऐसा निवृत्ती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 में पहले भारत आ गया हो, या

कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गण-राज्य तंजीनिया, (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाम्बिया, मलावी, जंर और इथोपिया और वियतनाम में आया हो।

परन्तु (2), (3), (4) और (5) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एंग्लो-सिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिये।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।

(ख) आयु सीमा—पहली जनवरी, 1988 को 30 वर्ष से कम

उपरी आयु सीमा में निम्न प्रकार छूट प्राप्त है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृज्जन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से प्रवृज्जन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

- (4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (6) यदि उम्मीदवार भारत भूतक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीवार) से प्रव्रजन किया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथोपिया में प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंगानिका तथा जंजीवार) से प्रव्रजन कर आया हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया में भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष,
- (8) यदि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद बर्मा में वस्तुतः प्रत्यावर्तित हो कर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और साथ ही 1 जून, 1963 या उसके बाद बर्मा वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (10) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष के अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।
- (11) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हों।
- (12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम में जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (13) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो जो वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति, (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है तथा जो वियतनाम में जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1988 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार का अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हट्ट शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्य-मुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्य काल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं। (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1988 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक,
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्प कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी 1988 को कम से कम पाँच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हट्ट शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्य-मुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1988 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक,
- (16) आपातकालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिनमें सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी 1988 तक पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।
- (17) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपात कालीन कमीशन अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिनमें सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारम्भिक अवधि 1 जनवरी, 1988 तक पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(18) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 नवम्बर, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्तन का आया था तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

(19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्तन कर आया था तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,

(20) यदि कोई उम्मीदवार पहली जनवरी 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 6 वर्ष तक,

(21) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और पहली जनवरी, 1980 से 15 अगस्त 1985 तक की अवधि के दौरान साधारणतः असम राज्य में रहा हो, तो अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी 1—भूतपूर्व सैनिक जिन्होंने अपने पन-रोजगार हटते भूतपूर्व सैनिकों को दिए गए जाने वाले लाभों को लेने के बाद सिविल क्षेत्र में सरकारी नौकरी पहली ही ले ली हो, वे उपर्युक्त नियमावली के नियम 4 (ख) (14) तथा 4 (ख) (15) के अधीन आय सीमा में छूट लेने के लिए पात्र नहीं होंगे।

(उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आय सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी)।

आयोग उन्हें की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मेट्रिकलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मेट्रिकलेटरों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज हो, वे प्रमाण-पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने होंगे।

आय के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कंडली, शपथपत्र, नगर निगम से और सेवा उभिले से प्राप्त अन्तः सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

अनदेशों के इस भाग में आये हुए "मेट्रिकलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिये कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा, जोकि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मेट्रिकलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद उसके परिवर्तन में किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जायेगा और न उसे स्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 2—उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएँ :

उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एम. बी. बी. एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हों।

टिप्पणी 1—वह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसने फाइनल एम. बी. बी. एस. परीक्षा दे ली है या जिसके अभी देने हैं। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हों तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जायेगा परन्तु उनका प्रवेश अनन्तितम रहेगा तथा फाइनल एम. बी. बी. एस. परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जायेगा। उक्त प्रमाण विस्तृत आवेदन पत्र के, जो उक्त परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आयोग को प्रस्तुत करने पड़ेंगे, साथ प्रस्तुत किया जायेगा।

टिप्पणी 2—उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये वह उम्मीदवार भी शैक्षिक रूप से पात्र है जिसे अभी अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करनी है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य रोटेटिंग इन्टर्नशिप पूरी करने के बाद ही नियुक्त किया जायेगा।

5. शुल्क :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु. 28.00 (अट्ठाइस रुपये) के शुल्क का भुगतान करना होगा, जो कि केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर दिये स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा द्वारा जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर दिये रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में ही विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो, इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाये और उन्हें आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिये, अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है। जिन आवेदन प्रपत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 1—केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकट (डाक टिकट नहीं)

डाकघर से प्राप्त करें और आवेदनपत्र के पहले पृष्ठ पर इसके लिए निर्धारित स्थान पर चिपका दें, जारी करने वाले डाकघर से उस डाकघर की तारीख की मूहर सहित उन टिकटों को इस तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की मूहर की छाप आंशिक रूप से आवेदनपत्र भी अपने आप आ जाए, रद्द किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके, केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों के स्थान पर किसी भी हालत में डाक टिकट स्वीकार नहीं की जाएगी।

टिप्पणी 2—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिये। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम पता लिखे।

टिप्पणी 3—यदि कोई ऐसा उम्मीदवार 1988 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है जिसने "सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1987" दी है तो उसे परिणाम या नियुक्ति प्रस्ताव का इन्तजार किए बिना आयोग के कार्यालय को अपना आवेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक अवश्य भेज देना चाहिये। यदि उसे 1987 की परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनशसित कर दिया जाता है तो 1988 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी उसके कहने पर रद्द कर दी जायेगी बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापसी का उसका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1987 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के अन्दर तक प्राप्त हो जाता है।

6. आवेदन कैसे करें :

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को दिनांक 19 सितम्बर, 1987 के समाचार पत्रों में या "रोजगार समाचार" दिनांक 19 सितम्बर, 1987 में प्रकाशित तथा आयोग के नोटिस परिशिष्ट 11 में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिये। उम्मीदवार समाचारपत्रों या "रोजगार समाचार" में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं, और उसके कालम स्वयं अपने हथों से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुल स्केप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन-प्रपत्र को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों में उपलब्ध छपे हुए, आवेदन-प्रपत्र तथा उपस्थिति पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि वे इस विज्ञापन के समाचार पत्रों या "रोजगार समाचार" दिनांक 19 सितम्बर 1987 में यथा-प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिशिष्ट में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों। उम्मीदवार ध्यान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रयुक्त प्रपत्रों पर भरे गये आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

आवेदन पत्र को लिफाफे पर साफ साफ मोटे अक्षरों में "सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1988 के लिये आवेदन" लिखा होना चाहिये।

(क) उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रात्र अवश्य भेजने चाहिए—

(1) निर्धारित शुल्क को लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट भारतीय पोस्टल आर्डर भारतीय भर्ती शुल्क टिकट या भारतीय मिशन की रसीद, (11) फुल स्केप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक "रोजगार समाचार" दिनांक 19 सितम्बर, 1987 में या दिनांक 19 सितम्बर, 1987 के समाचार पत्रों में यथा प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिशिष्ट 11 के अनुसार, (111) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट साइज (1.5 से 2.5 से.मी. × 7 से.मी.) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ—एक आवेदन पत्र तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, एक पोस्ट कार्ड अपने पते के

साथ, (5) 11.5 से.मी. 27.5 से.मी. आकार के बिना टिकट लग हुए दो लिफाफे अपने पते के साथ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तरराष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह गनिमिष्ठ कर लें कि जो आवेदन-प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अंकों के अन्तरराष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरते कि आवेदन-प्रपत्र में की गई प्रतियोगिता स्पष्ट और सपाठ्य हों। यदि वे प्रतियोगिता पढ़ी नहीं जा सकती है या भ्रमक है तो उनके निश्चयन में होने वाली भ्रांति या संदिग्धता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में हों, या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन प्रपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियुक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में दूर से पढ़ रहा हो तो आवेदन प्रपत्र पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोदता को लिखने तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो। जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थाई या अस्थायी हैमियत में काम कर रहे हों, या किसी काम के लिये विशिष्ट रूप में नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें आकस्मिक या दैनिक ढर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है या जो लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिदृष्टि (अपडेटिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन दिया है।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिये कि यदि आयोग को उनके नियुक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिये आवेदन करने से परीक्षा में बैठने सम्बंधी अनुमति गंवाते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा। उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।

टिप्पणी : जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा या जो अधरूप या गलत भरे हुए हों, उनका एकवम अस्वीकृत कर दिया जायेगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के सम्बन्ध में अभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन-प्रपत्रों के साथ आय और शैक्षिक योग्यता तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदि के दावों के समर्थन में कोई प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करना है। इसलिये वे इस बात को सनिश्चित कर लें कि परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं। परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अनन्तर होगा। यदि किसी बाद की तारीख को मत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तों पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जायेगी।

उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे उक्त लिखित परीक्षा का परिणाम जिसके जन, 1988 में घोषित किये जाने की संभावना है घोषित होने के बाद आयोग को जल्दी प्रस्तुत करने के लिये निम्नलिखित प्रलेखों की अनु-प्रमाणित प्रतियाँ तैयार रखें।

1. आयु का प्रमाण पत्र ।
2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्र ।
3. जहाँ लागू हो, वहाँ परिशिष्ट में निर्धारित प्रपत्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र ।
4. जहाँ लागू हो वहाँ आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र ।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तत्काल बाद आयोग सफल उम्मीदवारों से अतिरिक्त सूचना प्राप्त करने के लिये एक प्रपत्र भेजेगा । उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की अनुपस्थिति प्रतियाँ इस प्रपत्र के साथ आयोग को भेजी जाती होंगी । मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे ।

यदि उनके द्वारा किये गये दावे सही नहीं पाये जाते हैं तो उनके खिलाफ आयोग द्वारा नीचे पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

7. जो उम्मीदवार निम्नांकित कवाचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या ।
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या ।
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या ।
- (4) जाली प्रलेखों या फेर बवल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना या ।
- (5) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना छिपा कर रखना या ।
- (6) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में कोई अनियमित या अनुचित साधन अपनाना या ।
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या ।
- (8) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर असंगत बातें लिखना जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों या ।
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का व्यव्यवहार करना या ।
- (10) परीक्षा चलाने के लिये आयोग द्वारा, नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो या ।
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुवेश का उल्लंघन किया हो ।
- (12) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास हो या करने के लिये किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अधियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

(क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिये आयोग द्वारा, वह अयोग्य ठहराया जा सकता है अथवा वह ।

(ख) (1) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए;

(2) केन्द्र सरकार द्वारा, उनके अधीन किसी नियुक्त के लिए;

स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और ।

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली, के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही का पात्र होगा ।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक :—

(1) उम्मीदवार इस सम्बन्ध में जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहें उसे प्रस्तुत करने का अवसर उसको न दिया गया हो, और ।

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, तो उस पर विचार न कर लिया गया हो ।

8. आवेदन-प्रपत्र लेने की अन्तिम तारीख

भरा हुआ, आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 2 नवम्बर, 1987 (2 नवम्बर, 1987 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उप मंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से आकर द्वारा, प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 16 नवम्बर, 1987) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं, आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए ।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश, लाहौल और स्पीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहें तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 2 नवम्बर, 1987 से पहले की तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था ।

*टिप्पणी 1—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुती हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले ।

टिप्पणी (2) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराए या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिये गये आवेदन-पत्र के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त किसी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

9. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

(क) लिखित परीक्षा :—उम्मीदवार दो-दो घंटे की अवधि के निम्नलिखित दो प्रश्न-पत्रों में, परीक्षा देगा, जिनमें नीचे दिये गए विषयों पर वस्तुपरक प्रश्न होंगे। ये अधिकतम 200 अंकों के होंगे। प्रश्न-पत्र (प्रश्न पुस्तिकाएं) केवल अंग्रेजी में होंगी। दोनों प्रश्न-पत्रों में ऐसे प्रश्न होंगे, जिनमें विभिन्न विषयों के अंकों का प्रतिशत निम्न प्रकार होगा :—

| प्रश्न-पत्र 1 (कोड सं. 1) | अंकों का प्रतिशत |
|---|------------------|
| (1) | (2) |
| (1) सामान्य आयुर्विज्ञान जिसमें हृदयरोग विज्ञान, तंत्रिक विज्ञान, त्वचारोग विज्ञान, और मनोरोग विज्ञान सम्मिलित हैं। | 60% |
| (2) शल्य विज्ञान जिसमें कर्ण-नासिका, कण्ठ, नेत्र विज्ञान, अभिघात विज्ञान और विकलांग विज्ञान सम्मिलित हैं। | 40% |
| प्रश्न-पत्र 2 (कोड सं. 2) | |
| (1) क्षयरोग विज्ञान | 20% |
| (2) स्त्रीरोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान | 40% |
| (3) निरोधक सामाजिक तथा सामुदायिक आयुर्विज्ञान | 40% |
| (ख) लिखित परीक्षा में अर्हताप्राप्त उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षा | 200 अंक |

टिप्पणी (1)—नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षा से सम्बद्ध बीरे का उल्लेख करने वाली, "उम्मीदवार सूचनार्थ विवरणिका" उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी।

टिप्पणी (2)—उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्न-पत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिये केलकुलेटरों के प्रयोग की अनुमति नहीं है। उन्हें केलकुलेटर परीक्षा भवन में नहीं लाना चाहिए।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में आयोग द्वारा, अपनी विवक्षा से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर

लेते हैं, उन्हें आयोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

व्यक्तित्व परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैसा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षात्मक सूक्ष्म-बुद्धि की शक्ति, सन्तुलित विवेचन क्षमता मानसिक जागरूकता, सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्य निष्ठा स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है।

11. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों के क्रमशः 6 2/3 प्रतिशत और 3 1/3 प्रतिशत का महत्त्व देते हुए कुल मिलाकर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के क्रम से आयोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जितने उम्मीदवारों को आयोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी क्रम से नियुक्ति के लिये अनुशंसित किया जाता है जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षित रिक्तियों में, सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियां नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिये स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा अनुशंसित किया जा सकता है बशर्त कि परीक्षा में उनके योग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

12. परीक्षा में लगे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

13. इस नोटिस में उल्लिखित अन्य उपबन्धों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैयार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पदों के लिये बताई गई बरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा।

14. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से सन्तुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्व कृत के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य

रोटोनिंग इन्टरशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।

15. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी जैसा भी स्थापित हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

16. कोई भी व्यक्ति :—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीवित है, या

(ख) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है।

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बन्धित दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

17. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में, उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

18. आयोग अपनी विवक्षा पर परीक्षा के लिये अर्हक (क्वालीफाइंग) अंक निर्धारित कर सकता है।

19. आयोग के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा :—

(1) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र, जिसमें दूर से प्राप्त आवेदन-पत्र भी सम्मिलित है, की पावती दी जायेगी तथा आवेदन-पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी की जाती है। इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संस्था जारी कर दी गई है अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदन-पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। यदि परीक्षा से सम्बन्धित आवेदन-प्रपत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

(2) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी

जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन-पत्र का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहिले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा ?

(3) किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण-पत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियाँ आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त कर लेने के बाद ही उसकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अन्तिम रहनेगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाण-पत्र में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(4) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण:—आयोग के साथ सभी पत्र-व्यवहार में नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से होना चाहिए :

1. परीक्षा का नाम
2. आवेदन पंजीकरण सं. अथवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि आवेदन पंजीकरण संस्था/अनुक्रमिक सूचित नहीं किया गया है।
3. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में)।
4. आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान (1) : जिन पदों में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान न दिया जाए।

विशेष ध्यान (11) : यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

20. आवेदनपत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार को किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

21. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समुल्य पुस्तिका छपी है। यह विवरणिका सं. लो. से. आ. की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता देने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के पास बिक्री के लिए सुलभ है और इन्हें उनसे सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। यह केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिजोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग "सी" ब्लॉक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (11) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 में स्थित प्रकाशन शाखा का बिक्री काउण्टर और (111) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8-के. एस. राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी ली जा सकती है। उक्त विवरणिका भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मूफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

22. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट में दिये गये हैं।

एम. के. कृष्णन्
उप सचिव

परिशिष्ट-1

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :—

1. रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद अस्थायी है और ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान रु. 2200-75-2800 व. रो.-100-4000 है। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित आवेशों के अनुसार प्रतिबन्धित, प्रैक्टिस निषेध भत्ते भी होंगे। फिलहाल ये दरें चालू हैं :—

| | |
|--------------------|------------------|
| 1—5 स्टेज | रु. 150—प्र. मा. |
| 6—10 स्टेज | रु. 200—प्र. मा. |
| 11—15 स्टेज | रु. 250—प्र. मा. |
| 16वीं स्टेज से आगे | रु. 300—प्र. मा. |

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या अन्य प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए आवेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हों उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारम्भिक वेतन दिया जायेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

(ख) उम्मीदवार को दो साल की परीवीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परीवीक्षा की अवधि को सन्तोषजनक ढंग से समाप्त करने पर वह अस्थायी हैसियत से उनको आगे भेला जायेगा।

(ग) परीवीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान, दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा, नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा, निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियन्त्रित होगा और राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-अंशदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आवेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्दर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमानुसार, उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित, होने पर किसी रक्षा सेवा में भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु उस व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्ववर्त रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त, रूप से कार्य नहीं करना होगा।

(ख) संगणनीय सेवा—जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के नियम 2423 क।के. से. नि. 404(ख)] में निर्धारित शर्त लागू होती है, वं उस नियम में निहित उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

(ट) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से कही गई हैं उन में और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परिशोधित/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पार्वस्थ स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रीय औषधालय में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(इ) उच्चतर ग्रेडों में वेतनमानों और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर

- (1) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के पदों पर पदोन्नति के पात्र है। इन पदों का वेतनमान रु. 3000—4500 है। जिसके साथ 1 में 9 तक की अवस्थाओं तक रु. 300/- प्रति मास सीमित प्रैक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 अवस्था से आगे रु. 350/- प्रति मास प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (2) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है चिकित्सा अधीक्षकों के पदों पर पदोन्नति के पात्र है। इन पदों का वेतनमान रु. 3700—5000 है तथा साथ में रु. 500/- प्र. मा. प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (3) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है रु. 3700—5000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या के आधार पर चिकित्सा अधीक्षक/अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पदों पर पदोन्नति के पात्र हो जाते हैं। इस पद का वेतनमान रु. 5100—5700 है तथा साथ में रु. 500/- प्र. मा. प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (4) ऐसे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नति के पात्र है। इस पद का वेतनमान रु. 5900—6700 है तथा साथ में रु. 500/- प्र. मा. प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्य है।

(ठ) कर्तव्य और दायित्व :—

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

- (1) वह प्रतिदिन और आवश्यक होने पर भीतरी बाड़ों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (2) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और संघर्ष कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (3) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (4) वह सामान विक्रेताओं की जांच करेगा।
- (5) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिये उत्तरदायी होगा।
- (6) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां और मांग पत्र तैयार करेगा।
- (7) वह सभी उपकरणों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

टिप्पणी (1) : जब सहा. प्र. चि. अ. किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के

प्रभाग के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और दायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

टिप्पणी (2) : सहा. प्र. चि. अ. को समय-समय पर सौंपे गये अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

11. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत भारतीय आयुर्वेद कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद—

(क) पद ग्रुप 'क' में अस्थायी किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु. 2200-75-2800-ई. बी. 100-4000 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आवेशों के अनुसार प्रैक्टिस निषेध भत्ता (प्र. नि. भ.)। इस समय दर निम्नलिखित है :—

| | |
|-----------------|--------------------|
| 1—5 स्टेज | रु. 150/- प्रतिमास |
| 6—10 स्टेज | रु. 200/- प्रतिमास |
| 11 स्टेज से आगे | रु. 250/- प्रतिमास |

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परी-वीक्षा पर रखा जायेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी की विवेका पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा अवधि संतोष-जनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर अस्थायी क्रिये जाने तक अस्थायी हैसियत से चलाया जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुर्वेद कारखाना, अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ) परिवीक्षा की अवधि में और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरह से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर :—

(1) वरिष्ठ वेतनमान—वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिये पात्र होंगे। वेतनमान रु. 3000-100-3500-125-4500 है तथा साथ में निम्न-लिखित दरों पर प्रैक्टिस निषेध भत्ता :—

| | |
|-------------|--------------------|
| 1—3 स्टेज | रु. 250/- प्रतिमास |
| 4—5 स्टेज | रु. 300/- प्रतिमास |
| 6—7 स्टेज | रु. 350/- प्रतिमास |
| 8—9 स्टेज | रु. 400/- प्रतिमास |
| 10—11 स्टेज | रु. 450/- प्रतिमास |

(2) प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ वृत्तमान (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा) में 5 वर्ष की नियमित सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा में पदोन्नति के लिए विचार किये जा सकते हैं। वृत्तमान रु. 3700-125-4700-150-5000 है तथा रु. 600/- प्र. मा. की दर से प्र. नि. भ.।

(3) निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएँ

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर रु. 7300-100-7600 प्रतिमास तथा साथ में रु. 600/- प्र. मा. की दर से प्रोविडेंट निषेध भत्ते के वृत्तमान वाले निदेशक स्वास्थ्य सेवा में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(छ) कार्यस्वरूप—(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी

- (1) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के वाडों के विभागों के अन्तरंग रोगियों और औषधालय/बहिरंग विभागों के रोगियों को देखेंगे।
- (2) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (3) वे सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेंगे।
- (4) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिए उत्तरदायी होंगे।
- (5) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी. डी. ओ. ग्रेड-1—स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. से. नि./स्वा. से. उ. के निदेशक पर चिकित्सा सम्बन्धी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (ख) अनभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनभाग को वैनिडिनी कार्य करने में वह स्वा. से. नि./स्वा. से. उ. नि. की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा. से. नि./स्वा. से. उ. नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।
- (घ) चिकित्सा भण्डार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा. से. नि. की सहायता करेगा।
- (ङ) व. चि. अ.—व. चि. अ. 75 से कम पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।
- (च) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना, महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा करते रहेंगे।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।

(ज) वे किसी संविधि या सरकारी आदेश द्वारा निर्धारित या स्वा. से. नि. द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(3) स्वास्थ्य सेवा उप-निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा. से. उप-निदेशक/स्वा. से. निदेशक के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।

(ख) स्वा. से. नि. की गैर हाजिरी, छुट्टी या दौरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा. से. नि. के रूप में कार्य करेंगे।

(ग) प्र. चि. अ.—प्र. चि. अ. 75 या इससे अधिक पलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रहेंगे।

(घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वे चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुशंसा देते रहेंगे।

(ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वे चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।

(च) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी वे करेंगे।

(4) स्वास्थ्य सेवा निदेशक

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्राविधिक समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंत्रक प्राधिकारी—कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रवृत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करेगा।

(ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुशंसाओं का कार्यान्वयन करने के लिए यह योजनाएँ तैयार करेंगे।

(ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।

(घ) संघ लोक सेवा आयोग में सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से सम्बन्धित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के सम्बन्ध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।

(च) वे स्वास्थ्य सेवा उप-निदेशक तथा स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और सभी प्रधान चिकित्सा अधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों तथा सहायक चिकित्सा अधिकारियों की रिपोर्टों की पुनरीक्षा करेंगे।

3. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पद

(क) पद अस्थायी है किन्तु अनिश्चित काल तक दल सकते हैं। उम्मीदवारों का कनिष्ठ ग्रुप 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि की सन्तोषजनक समाप्ति के बाद उनको यथामय कनिष्ठ वेतनमान (रु. 2200-4000/-में स्थायी पदों के उपलब्ध होने पर स्थायी बचाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी औषधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, अर्थात् दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ आदि में चालू के. स. स्व. से. कायला खान/माइका खान श्रम कल्याण संगठन, असम राइफल, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह डाक तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) वेतन की ग्राह्य दरें निम्नलिखित हैं :—

कनिष्ठ प्रथम श्रेणी वेतनमान (चिकित्सा अधिकारी)

वेतनमान : रु. 2200-75-2800-द. र. -100-4000
प्रै. नि. भ.

3000 रु. से कम 600 रु. प्रति मास
3000 रु. तथा आगे

परन्तु 3700 रु. से कम 800 रु. प्रति मास

3700 रु. तथा आगे 900 रु. प्रति मास

सामान्य ड्यूटी संवर्ग के ऐसे चिकित्सा अधिकारी वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति हेतु पात्र हो जाएंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में कम से कम 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

वरिष्ठ वेतनमान (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी)

वेतनमान : रु. 3000-100-3500-125-4500

प्रै. नि. भ.

3000 रु. तथा आगे

परन्तु 3700 रु. से कम 800 रु. प्रति मास

3700 रु. तथा आगे 900 रु. प्रति मास

7-246 CH/87

सामान्य ड्यूटी संवर्ग के ऐसे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में पदोन्नति के पात्र हों जाएंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

वेतनमान : रु. 3700-125-4700-150-5000 तथा साथ में रु. 900 प्रतिमास प्रै. नि. भ.।

ऐसा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड) में नियुक्ति का पात्र होगा जो इस वेतनमान का अधिकतम प्राप्त कर चुका है और जिसकी उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद कम से कम दो वर्ष तक वेतन वृद्धि रुक गई हो।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड)

वेतनमान : रु. 4500-150-5700 तथा साथ में रु. 900 प्रतिमास प्रै. नि. भ.।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदस्थ ऐसे अधिकारी सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-11) में पदोन्नति हेतु पात्र होंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 7 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

सुपर टाइम ग्रेड

वेतनमान : रु. 5900-200-6700 तथा साथ में रु. 900 प्रतिमास प्रै. नि. भ.

चिकित्सा अधिकारी, दिल्ली नगर निगम

(1) वर्ग 'क' का उक्त पद अस्थायी है किन्तु यथाशीघ्र स्थायी हो सकता है। वेतनमान (पूर्व संशोधित) रु. 700-40-900-द. र. -40-1100-50-1300 तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निषेध भत्ता (एन. पी. ए.) इस समय दरें इस प्रकार हैं :—

1-5 स्टेज रु. 150/- प्र. मा.

6-10 स्टेज रु. 200/- प्र. मा.

11 स्टेज तथा इससे आगे रु. 250/- प्र. मा.

(2) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षाधीन रहेगा। यह अवधि सक्षम प्राधिकारी को विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षाधीन अवधि के सन्तोषजनक समापन पर वह तब तक अस्थायी पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिक्ति पर स्थायी किया जाता है।

(3) उम्मीदवार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के अधिकार-क्षेत्र के अन्तर्गत कहीं भी किसी अस्पताल/डिस्पेंसरी/मातृ और शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र आदि में की जा सकती है।

(4) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(5) परीक्षा तथा उसके बाद अस्थायी हस्तियत में नियोजन अवधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले में एक महीने का वेतन देने का अधिकार है।

उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की सम्भावनाएँ, जिनमें वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलित हैं, भर्ती विनियमों के उपबन्धों के अनुसार होगी।

SUPREME COURT OF INDIA

The 21st August 1987

New Delhi, the 20th August 1987

No. F. 6/87-SCA(I).—Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following Officers and members of the staff of this Registry to the posts and w.e.f. the dates mentioned against each, until further orders:—

| Sl No. | Name | Post to which promoted/appointed and date of appointment |
|--------|---|--|
| 1. | Shri R. S. Suri, Offg. Addl. Registrar. | Promoted and appointed to officiate as Registrar w.e.f. the forenoon of July 27, 1987 to July 31, 1987. |
| 2. | Miss S. V. Kashyap, Offg. Joint Registrar. | Promoted and appointed to officiate as Addl. Registrar with effect from the forenoon of August 1, 1987. |
| 3. | Shri K. K. Sehgal, Offg. Dy. Registrar. | Promoted and appointed to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of June 9, 1987. |
| 4. | Shri S. Vardarajan, Offg. Dy. Registrar. | Promoted and appointed to officiate as Joint Registrar with effect from the forenoon of August 1, 1987. |
| 5. | Sh H.L. Chandra Mouly Assistant Registrar. | Promoted and appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of June 9, 1987. |
| 6. | Shri D. R. Luthra, P.P.S. to Hon'ble Judge | Promoted and appointed to officiate as Deputy Registrar (Pro-forma) with effect from the forenoon of August 1, 1987. |
| 7. | Miss V. P. Singhal, Assistant Registrar. | Promoted and appointed to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of August 1, 1987. |
| 8. | Shri R.P. Dua, P.S. to Hon'ble Judge. | Promoted and appointed to officiate as Assistant Registrar with effect from the forenoon of March 21, 1987. |
| 9. | Mrs. Gulshan Nayyar, Assistant. | Promoted and appointed to officiate as Section Officer with effect from the forenoon of May 20, 1987. |
| 10. | Shri Rajendra Prasad. | Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from the forenoon of August 10, 1987. |
| 11. | Shri Ashok Kr. Rehlan | Appointed to officiate as Private Secretary to Hon'ble Judge with effect from the afternoon of July 31, 1987. |

No. F. 6/87-SCA(I).—I. Shri R. S. Suri, Officiating Registrar, has retired from the service of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the afternoon of July 31, 1987.

II. Shri Prem Sagar, Officiating Assistant Registrar, has also retired voluntarily from the services of the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of August 1, 1987.

No. F. 6/87-SCA(I).—Hon'ble the Chief Justice of India has ordered that Shri R. S. Suri, retired Registrar, be re-employed as temporary Additional Registrar (Ex-cadre) in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of August 1, 1987 for a period of six months, in the first instance, against a newly created temporary post of Additional Registrar (Ex-cadre).

H. S. MUNJRAL
Registrar (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th August 1987

No. 3/18/87-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri C. S. Chaturvedi, Hindi Officer of Central Secretariat Official Languages Service as Hindi Officer in the Central Bureau of Investigation with effect from the afternoon of 31st July, 1987 until further orders.

SATISH SAHNEY
Dy. Director (Admn.)
CBI

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE
ACADEMY

Hyderabad-500252, the 19th August 1987

No. 15036/82-Estt.—Shri S. A. Sattar, Dy. S. P. Category III of A.P. Police Department and who is on deputation in the S.V.P. National Police Academy with effect from 11-3-1983 has been appointed to the post of Deputy Superintendent of Police in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 on permanent transfer basis in this Academy with effect from the 1st of August, 1987.

2. This issues with the approval of competent authority as conveyed by Ministry of Home Affairs, Government of India, vide their letter No. I-45020/54/85-Pers.I/85-Pers I, FP.III dated 31-7-1987.

A. A. ALI
Director

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 21st August 1987

No. O.II-1628/81-Estt.I.—Consequent upon his voluntary retirement from service under rule 43(d)(iii) of CRPF Rules, 1955, Shri Shadi Ram, Dy. S. P., 75 Bn. CRPF relinquished the charge of the post in the afternoon of 31-7-1987.

No. D.I-46/85-Estt.I.—Consequent on his repatriation from BBMB, Talwara Shri Sohan Lal, Assistant, Commandant reported in 7th Bn. CRPF on the forenoon of 10th August, 1987.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL.

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 11th August 1987

No. E-31013(2)/1/86-Pers.I.—The President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as

Asstt. Commandant for a further period upto 18-8-1988 or till regular selection is made, whichever is earlier :—

S. No. & Name of Officer

- S/Shri
1. V. K. Gupta
2. V. P. Prabhu
3. B. B. Singh
4. G.S.K. Nair
5. C.S.G. Sharma
6. S. C. Saklani
7. Utpal Choudhury
8. A. S. Cheladurai
9. D. S. Mehra
10. Om Parkash
11. T. D. Goswamy
12. Sanjit Dass
13. R. P. Misra
14. S. N. Singh
15. S. K. Boss
16. Raghubir Singh
17. C. K. Bisht
18. Mahabir Singh
19. Thomas Mathew
20. M. S. Gain
21. S. S. Gossain
22. B. K. Bhawal
23. Abdul Naeem
24. H. C. Pathak

The 14th August 1987

No. E-29020/4/82-Pers.1/77.—The President is pleased to appoint Shri R.K. Dixit substantively as Asstt Commandant in the Central Industrial Security Force with effect from 1st January, 1981.

The 21th Aug. 1987

No. E-16014(2)/6/87/Pers.1/1438.—On appointment on deputation Shri A.I. Panikulam, Asstt. Comdt, CRPF assumed the charge of the post of Comdt, CISF Unit, NALCO Damanjodi w.e.f. the forenoon of 24th June 1987.

D. M. MISRA
Director General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 25th August 1987

No. 13/8/84-Ad.I.—The President is pleased to accept the three months notice of Shri C.D. Bhatt, Assistant Director of Census Operations in the Directorate of Census Operations, U.T. Chandigarh at Chandigarh, for voluntary retirement from Government services under Rule 48(1) (a) of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972, with effect from the afternoon of the 15th October, 1987.

V. S. VERMA
Registrar General, India

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I)
MAHARASHTRA**

Bombay-20, the 13th August 1987

No. Admn. I/Audit/Genl. AO/1(1)/186—The Accountant General (Audit I), Maharashtra, Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers, with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

| Sr. No. | Name | Date of Appointment as AO. |
|---------|---------------------|----------------------------|
| 1. | Shri M. D. Kusurkar | 15-6-1987 FN. |
| 2. | Shri M. U. Warrior | 15-6-1987 FN |
| 3. | Shri V. S. Damle | 15-6-1987 FN |
| 4. | Shri S. V. Rampure | 15-6-1987 FN |

No. Admn I/Audit/General/AO/AAO/1(1)/187—The following officers of the office of the Accountant General (Audit) Maharashtra, retired from Government service on superannuation with effect from the dates shown against them:—

| Sr. No. | Name | Designation | Date of Retirement |
|---------|-------------------------|----------------------|--------------------|
| 1. | Shri D.S. Ragnekar | Audit Officer | 31-3-87 AN |
| 2. | Shri C. D. Kulkarni | Audit Officer | 31-3-87 AN |
| 3. | Shri B. R. Datar | Audit Officer | 31-3-87 AN |
| 4. | Shri R.B. Choubal | Audit Officer | 31-3-87 AN |
| 5. | Shri V. N. Prabhu | Audit Officer | 31-3-87 AN |
| 6. | Shri P.K. Patil | Asstt. Audit Officer | 30-4-87 AN |
| 7. | Shri M.W. Padwad | Audit Officer | 31-5-87 AN |
| 8. | Shri D.R. Jirgale | Audit Officer | 31-5-87 AN |
| 9. | Shri M.S. Menghrajani | Asstt. Audit Officer | 31-5-87 AN |
| 10. | Shri K. Swaminathan | Do. | 31-5-87 AN |
| 11. | Shri B.R. Deshpande | Do. | 31-5-87 AN |
| 12. | Shri K.H. Krishnamurthy | Audit Officer | 30-6-87 AN |
| 13. | Shri A.R. Krishnan | Audit Officer | 30-6-87 AN |
| 14. | Shri B. D. Gore | Audit Officer | 30-6-87 AN |
| 15. | Shri S.D. Kulkarni | Audit Officer | 30-6-87 AN |
| 16. | Shri S.V. Deshpande | Asstt. Audit Officer | 30-6-87 AN |
| 17. | Shri A.U. Karpate | Do. | 30-6-87 AN |
| 18. | Shri P.D. Deshpande | Audit Officer | 31-7-87 AN |
| 19. | Shri M.J. Kande | Audit Officer | 31-7-87 AN |

(Sd/-) ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR

**OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER
(CENTRAL)**

New Delhi, the 28th July 1987

CORRIGENDUM

No. Adm.I/12(57)/86.—Against item (9) in line 6 of this office notification No. Adm.I/4(13)/87 dated 15-6-87, please read the date as 28-1-87 (FN) instead of 22-1-87 (FN).

(MADAN MOHAN)
Administrative Officer

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPTT. OF STEEL)

**o./o. THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
IRON & STEEL**

Calcutta, the 20th August 1987

No. EI-2(4)/86(.).—The undersigned hereby appoints Shri K. K. Gayen to officiate in the post of Senior Personal Assistant in this office for a period of 3 (three) years w.e.f. 7th May, 1987 on transfer on deputation basis.

D. K. GHOSH
Development Commissioner (I&S)

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta, the 18th August 1987

No. 4560B/A-32013(5-M.E.(Sr.)/80-19B.—The President is pleased to appoint Shri Kanhaiya Singh, M.E. (Jr.) of the

Geological Survey of India on promotion as M.E. (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000-4500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29-6-87, until further orders.

No. 4574B/A-32013(5-ME(Sr)/80-19B.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Jha, M.E. (Sr.) of the Geological Survey of India on promotion as M.E. (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000-4500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 19-6-87, until further orders.

No. 4587B/A-32013 (5-ME (Sr)/80-19B.—The President is pleased to appoint Shri M. R. Puntambakar, M.E. (Sr.) of the Geological Survey of India on promotion as M.E. (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 3000-4500/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-6-87, until further orders.

D. K. GUPTA
Dy. Director General (P.)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th August 1987

CORRIGENDUM

No. A-19011/319/86-Estt. A.—In partial modification of Notification issued under No. A-19011/319/86-Estt. A. dated 15-7-86 Shri P. R. Sarkar is appointed as Deputy Mineral Economist (Stat.) ISS Grade III in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 10-2-1986 (FN) in the pay scale of Rs. 1100—1600/- (Old) Rs. 3000—100—3500—125—4500/- (Revised).

The 20th August 1987

No. A-19011(405)/87-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri S. W. Kherdekar, Mineral Officer (Int.), Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Assistant Mineral Economist (Int.), in the Indian Bureau of Mines w.e.f. 11-8-1987 (F.N.).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-I, the 24th August 1987

No. F. 12-3/87-Estt.—The undersigned hereby appoints Shri J. C. Dabi, Assistant Archivist Grade I (General) to the post of Archivist (General) in the pay scale of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 8th June, 1987, until further orders.

The *ad hoc* appointment of Shri J. C. Dabi, will not confer any right or claim for his regular appointment and will not count for the purpose of his seniority and for eligibility for promotions to next higher grade.

(Sd.) ILLEGIBLE
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 18th August 1987

No. 1/12/85-S.II.—Consequent upon having attained the age of superannuation, Shri R. D. Vaity, Administrative Officer, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay has retired from Government service w.e.f. 31-7-87 (A.N.).

I. S. PANDHI
Deputy Director of Administration
For Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-26, the 24th August 1987

No. 40/PFI/48-Est. I.—On acceptance of his request for retirement on 20-8-1987 (Afternoon), Shri V. R. Peswani, Permanent Asstt. Administrative Officer, Films Division, Bombay who had been granted extension of service for one year beyond the date of superannuation i.e. 31-8-1986 (afternoon), relinquished charge of the post of Asstt. Administrative Officer in Films Division, Bombay in the afternoon of 20th August, 1987.

K. K. GUPTA
Asstt. Administrative Officer
for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN. DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 31st July 1987

No. F. 5-498/87-Estt.(I).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') of the Directorate of Extension, Shri H. P. S. Patanga is appointed substantively to the permanent post of Assistant Editor (English) General Central Service, Group 'B' (Gazetted) with effect from 26-5-1986.

R. G. BANERJEE
Director of Administration

DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION, QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 12th August 1987

No. 7-3/87-Adm. I.—Shri K. Krishna Rao, Accounts Officer of the Ministry of Communication, Department of Telecommunication, New Delhi is hereby appointed as Accounts Officer in the pay Scale of Rs. 2375—75—3200—EB—100—3500/- in this Directorate on deputation terms initially for a period of 2 years with effect from 29-7-1987 (FN), until further orders.

R. L. RAJAK
Plant Protection Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 14th August 1987

No. DPS 2/(11)/83-Adm./31786.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Shrikant B. Sawant a permanent Storekeeper to officiate as a Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd August, 1987 until further orders in the same Directorate.

B. G. KULKARNI
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 30th July 1987

No. A. 32013/2/83-EC.—In supersession of this Department's notification No. A. 32013/2/83-EC, dated the 29th June, 1983, 1-10-83, 29th November, 1983 and 27th February, 1984, the President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical

Officer on a regular basis with effect from the dates indicated against each:—

| Sl. No. | Name | Date of promotion |
|---------|-----------------------|----------------------------------|
| | S/Shri | |
| 1. | H. S. Gahlot | 5-5-1983 (proforma promotion) |
| 2. | S. K. Dass | Do. |
| 3. | O. P. Dixit | Do. |
| 4. | R. V. Israni | Do. |
| 5. | K. D. Mukerjee | Do. |
| 6. | D. S. Gill | Do. |
| 7. | P. V. Subramanian | Do. |
| 8. | R. N. Dutt | Do. |
| 9. | M. V. Dhairbe | Do. |
| 10. | S. S. Parashar | Do. |
| 11. | J. Bhardwaj | 16-7-1983 |
| 12. | M. S. Sawhney | 5-5-1983 |
| 13. | N. S. Siddhu | Do. |
| 14. | S. R. Padmanabhan | Do. |
| 15. | S. Ramaswamy | Do. |
| 16. | P. A. Shastri | Do. |
| 17. | K. B. Nanda | Do. |
| 18. | L. R. Goyal | Do. |
| 19. | H. S. Bajwa | Do. |
| 20. | H. S. Grewal | Do. |
| 21. | M. G. Sudershan | Do. |
| 22. | O. P. Bhalla | Do. |
| 23. | A. Rajagopalan | Do. |
| 24. | Mukhtiar Singh | Do. |
| 25. | R. Ramamurthy | Do. |
| 26. | M. Raghavan (SC) | Do. |
| 27. | M. A. Rao | Do. |
| 28. | Surjit Singh | Do. |
| 29. | M. P. Sama | Do. |
| 30. | P. K. K. Pillai | Do. |
| 31. | J. K. Chopra | Do. |
| 32. | H. S. Sarna | Do. |
| 33. | N. S. Apte | Do. |
| 34. | T. S. Krishnamurthy | Do. |
| 35. | V. K. Sharma | Do. |
| 36. | T. R. Menon | Do. |
| 37. | Manohar Singh | Do. |
| 38. | P. N. Nayyar | Do. |
| 39. | K. C. Devgun | Do. |
| 40. | V. P. Narang | Do. |
| 41. | S. S. Nepali | Do. |
| 42. | A. K. Dey | Do. |
| 43. | R. Vittal Singh | Do. |
| 44. | P. C. Jain | Do. |
| 45. | Harbhagwan | Do. |
| 46. | T. D. Sharma | Do. |
| 47. | P. K. Sengupta | Do. |
| 48. | G. D. Kulkarni | Do. |
| 49. | I. J. Sharma | Do. |
| 50. | K. S. Balasubramanian | Do. |
| 51. | M. D. Ranganathan | Do. |
| 52. | H. L. Sharma | Do. |
| 53. | Y. P. Bhatia | Do. |
| 54. | D. N. Biswas | Do. |
| 55. | A. K. Misra | Do. |
| 56. | H. C. Tiwari | Do. |
| 57. | A. C. Dutta | Do. |
| 58. | C. R. Dasgupta | Do. |
| 59. | M. B. Gajbhiye (SC) | Do. |

The 31st July 1987

No. A. 32013/4/85-EC.—In continuation of this office's Notification No. A. 32013/5/80-EC dated the 26th November, 1984, the President is pleased to extend the period of *ad hoc* appointment of Shri R. S. Gahlot in the grade of Deputy Director of Communication for a further period from 1-1-1985 to 13-11-1985.

The extension of the period of *ad hoc* appointment of Shri R. S. Gahlot shall not bestow on him any claim for promotion to the grade of Deputy Director/Controller of Communication on regular basis and the period of service rendered on *ad hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director/Controller of Communication or for promotion to the next higher grades.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Bombay-400028, the 24th August 1987

No. 11/39-26/86. TH. I.—The following Inspectors of Central Excise have on their promotion assumed charge as Officiating Superintendents Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Bombay-III with effect from the date shown against their name:—

| Sl. No. | Name | Date of assumption of charge. |
|---------|------------------------|-------------------------------|
| 1. | Shri M. S. Desai | 20-05-87 F.N. |
| 2. | Shri P. Y. Kale | 20-05-87 F.N. |
| 3. | Shri P. B. Gupta | 20-05-87 F.N. |
| 4. | Shri M. S. Shetty | 20-05-27 F.N. |
| 5. | Shri M. B. Joshi | 20-05-87 F.N. |
| 6. | Smt. S. P. Deshpande | 20-05-87 F.N. |
| 7. | Shri M. V. Joshi | 20-05-87 F.N. |
| 8. | Shri A. S. Rohira | 21-05-87 F.N. |
| 9. | Shri S. R. Munoli | 21-05-87 F.N. |
| 10. | Shri D. M. Baknetti | 21-05-87 F.N. |
| 11. | Shri R. K. Nair | 21-05-87 F.N. |
| 12. | Shri B. S. Mulchandani | 21-05-87 F.N. |
| 13. | Shri M. W. Bhise | 03-06-87 F.N. |
| 14. | Shri D. D. Somani | 31-07-87 F.N. |

R. K. THAWANI,
Collector,
Central Excise : Bombay-III

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Kolhapur Builders Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 5th August 1987

No. 673/16087/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kolhapur Builders Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Chick Products Pvt Ltd.*

Bombay-2, the 5th August-1987

No. 671/15252/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chick Products Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Lokhandwala Finance & Chit Fund Pvt Ltd.*

Bombay-2, the 5th August 1987

No. 676/16522/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lokhandwala Finance & Chit Fund Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Eagle Filter & Finance Pvt Ltd.*

Bombay-2, the 5th August 1987

No. 719, 13795/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Eagle Filter & Finance Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. RADHAKRISHNAN
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Forge & Allied Industries Private Limited*

Jullundur, the 18th August 1987

No. G Stat/560/474.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiry of three months from the date hereof the name of M/s. Forge & Allied Industries Private Limited

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SATYENDRA SINGH
Registrar of Companies
Punjab & Chandigarh

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 19th August 1987

No. F. 48-Ad(AT)/1987.—Shri V. R. Kanhai, Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Nagpur Bench, Nagpur who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack, with headquarters at Bombay on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1-6-1987 vide this office notification No. F.48-Ad(AT) 1987, dated the 10th June, 1987 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack, with headquarters at Hyderabad for a further period of 3 months with effect from the 1st September, 1987.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri V. R. Kanhai, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade

No. F. 47-Ad(AT)/50-P IV.—The following Officers officiating as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal are confirmed in their appointments with effect from the 27th July, 1987.—

1. Shri K. N. Kothiyal
2. Shri S. Prasad
3. Shri P. K. Malhotra
4. Shri P. B. Bodhare
5. Shri N. C. Chaturvedi
6. Shri J. S. Chhilar.

CH. G. KRISHNAMURTHY
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-II
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1987

Ref. No. P.R. 4756 Acq.23/II/87-88.—Whereas, I,

A. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Piece of land bearing C.S. No. 2395

of Valsad Kasba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Valsad on 01-05-87.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jevachlal B Shroff and Others,
Mota Bazar,
Valsad.

(Transferor)

- (2) Ravi Corporation,
Mota Parsiwad,
Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37G is filed in the Office of S.R. Valsad on 31-05-87.

A. K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 29-7-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
KUMAR ESTATE, NEAR DHOBI GHAT, PUNE

Pune, the 22nd July 1987

Ref. No. IAC Acq./CA/37EE/4795/86-87.—Whereas I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 247-A, Bund Garden Road, Pune, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range, Pune on 15th Dec 1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Tarachand Bherumal Wadhwani,
Mrs. Janki Bhagwandas Motwani,
B-9-10 New Apsara Apartments Co-operative
Housing Soc. Ltd. Bund Garden Road,
Pune-1.

(Transferor)

(2) M/s Makwana Bros. & Co.
441 Somwar Peth, Pune-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acqn. Range, Pune, under document No. 37EE/4795/1986-87 in the month of 15th December 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date : 22-7-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th April 1987

No. DR.1788/86-87/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Chalta Nos. 1, 2, 3, 4, 5 and 6, situated at St. Inez, Panaji, Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered with the Competent Authority under Section 269AB, in his office at Bangalore on 5-12-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
8—246 GI/87

(1) Smt. Kunda L. Bhandare,
Sri Lakshmikant S. Bhandare,
Villa Oliyant, Marchon,
Panaji, Goa.

(Transferor)

(2) M/s Madhavi Investment and Trading Pvt. Ltd.
First Floor, Roshan Mahal,
Swatantra Path,
Vasco-Da-Gama, Goa-403 802.

(Transferee)

(3) Ruksana Wahid Chowhan,
At Chalta No. 1 to 6,
St. Inez, Panaji, Goa.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Mr. R. S. Bhandare,
Mrs. G. R. Bhandare,
Mr. M. K. Bhandare,
Mr. C. F. S. M. Gomes,
Mr. Vincent Pereira,
At Chalta Nos. 1 to 6, St. Inez,
Panaji, Goa.

[Person(s) whom the undersigned knows to
be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1416/86-87 Dated 5-12-86).

All those piece or parcel of the agricultural property of
Coconut grove known as 'MASCONDA', bearing city survey
chalta No. 1, 2, 3, 4, 5 and 6 of P. T. Sheet No. 412, situated
at ST. INEZ PANAJI, GOA, admeasuring 47,000 Sh. Mts.
and more fully described in the schedule to agreement for
sale dated 9-9-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-4-87.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Mohini U. Ramchandani

(Transferor)

(2) Mr. V. C. Mustafa,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
MAHARSHI KARVE ROAD,

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. A.R.IIC/37EE/40864/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor & 1st Floor, Cheznous, Gulmohar Cross Road No. 7, J. V. P. D. Scheme, Bombay-400 049, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. & 1st floor, Cheznous, Gulmohar Cross Road, No. 7, J. V. P. D. Scheme, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IIC/37EE/40864/86-87 on 8-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay.

Dated : 31-7-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Aruna Ramchandra Killawala &
Others.

(Transferor)

(2) Mr. Nalin Trivedi & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
AAYAKAR BHAVAN,
MAHARSHI KARVE ROAD,

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/002/86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority, under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 -
and bearing No.
Residential Duplex Flat Unit No. 2, in Building under con-
struction agreed to be let out on Plot No. 56, Duplex 04,
Jaihind Co-op. Hsg. Scty. Ltd., N. S. Road, Bombay-400 049,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 8-1-87
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Duplex Flat Unit No. 2, in building under con-
struction agreed to be let out on Plot No. 56, Duplex 04,
Jaihind Co-op. Hsg. Scty. Ltd., N. S. Road, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-IIC/37EE/002/86-87 on
8-1-87.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay.

Dated : 31-7-87
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Gurmeet Singh M. Dhody & anr.

(Transferor)

(2) Sikanderlal Kapoor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
AADYAKAR BHAVAN,
MAHARSHI KARVE ROAD,

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ret No. A.R.-IIC/37EE/40810/86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 701, 7th Floor, Palm Beach, Gandhigram Rd., Juhu,
Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
Bombay on 2-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, Palm Beach Gandhigram Road,
Juhu, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR-IIC/37EE/40810/86-87
on 2-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay.

Dated : 31-7-87
Sd :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MATARSHI KARVE ROAD,
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st August 1987

Ref. No. A.R.IIC/37EE/40825/86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 21, 2nd Floor, Sanjay Plaza, Juhu, Bombay-49
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority
at Bombay on 2-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Mr. Shah Abbas Sadiq Ali Khan Alias Sanjay Khan
and Mrs. Zarine Abbas Khan.
(Transferor)
- (2) M/s. Tina Steel.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd Floor, Sanjay Plaza, Juhu, Bombay-
400 049.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40825/86-87 on
2-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Gajanan Krishnaji Vaidya & Anor.,

(Transferor)

(2) M/s Homelands Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st August 1987

Ref. No. A.R.IIC/37EE/40821/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Tenanted Chawl, Krishna Cottage, Mahant Road extn., Vile Parle (East), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenanted Chawl, Krishna Cottage, Mahant Road Extn., Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40821/86-87 on 2-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-1987
Seal :

FORM NO. ITNS-----

(1) Mrs. Saira Hafeez.

(Transferor)

(2) Dr. Sushila Patel and
Babubhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st August 1987

Ref. No. A.R.IIC/37EE/40827/86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
exceeding Rs 1 00,000/- and bearing No.
Flat No. 27, 4th Floor, Building No. 3, Sea Queen, Plot No.
16, Juhu Tara Road, Bombay-400 054
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority
at Bombay on 2-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 4th Floor, Building No. 3, Sea Queen, Plot
No. 16, Juhu Tara Road, Bombay-400 054

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40827/86-87 on
2-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-1987
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

(1) M/s Navbharat Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. Shankuntala Asandas and
Master Rajiv Asandas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st August 1987

Ref. No. A.R.IIC/37EE 40846/86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, 1st floor, Kalpana Apts., Plot No. 16, Dadabhai
Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority
at Bombay on 4-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st Floor, Kalpana Apts., Plot No. 16, Dada-
bhai Road, Vile Parle (West), Bombay-400 056.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40846/86-87 on
4-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date: 31-7-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st August 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40957/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Riviera Bldg. Palm Beach Riviera Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Chandan S. Desai and others. (Transferor)
- (2) Mr. Yugesh S. Mehta and Others. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, Riviera Bldg. Palm Beach Riviera Co-op. Housing Society Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40957/86-87 on 11-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
9—246 GI/87

Date : 31-7-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Kakad & Sons.

(Transferor)

(2) M/s. H. L. Property Developers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC, ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN, MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st August 1987

Ref. No. A.R.IIC/37EE/40930/86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Village Irla Survey No. 230, Hissa No. 4, 5, 6, 12 & 13
C.T.S. Nos. 704 & 705
(and more fully described in the Schedule-annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority
at Bombay on 8-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Irla Survey No. 230, Hissa No. 4, 5, 6, 12 & 13 and
C.T.S. Nos. 704 & 705.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40930/86-87 on
8-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-7-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Jayendra Y. Mehta

(Transferor)

(2) Yogesh B. Goradir

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/C
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.IIC/37FE/40958 86-87.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 303, Riviena Bldg. Plam Beach Riviena Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 11-12-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 303, Riviena Bldg. Plam Beach Riviera Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Gandhigram Road, Juhu, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40958/86-87 on 11-12-86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II/C
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-87
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Lalitkumar Kamalsey Parekh & Ors. (Transferor)
 (2) Jagmohandas Karsendas Pabati & Ors. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIC
 ROOM NO. 560., 5TH FLOOR
 AAYAKAR BHAVAN
 MAHARSHI KARVE ROAD
 BOMBAY

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/41018/86-87.—Whereas, I,
 V. B. GUPTA,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the
 immovable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Plot No. 142, T.P.S. No. IIV, Vile Parle & Land bearing S.
 No. 79
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
 Authority at
 Bombay on 12-12-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULED

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 142, T.P.S. No. IIV, Vile Parle & Land Bearing
 S. No. 79.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/41018/86-87
 on 12-12-1986.

V. B. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IIC Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons, namely :—

Date : 31-7-87
 Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt Laldevi
W/o Bhagirati Jar Bandhan & Others. (Transferor)
- (2) M/s. Natasha Constructions Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIC
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY**

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/41037/86-87.—
Whereas, I, V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Property lying being and situated at Village Vile Parle
(East) bearing Survey No. 33, Hissa No. 2 (Part) C.T.S.)
No. 24
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 12-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property lying being and situated at Village Vile Parle (E)
bearing survey No. 33, Hissa No. 2 (Part) C.T.S. No. 24.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/41037/86-87
on 12-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIC
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/40823/86-87.—Whereas, I,

V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Basement, Sanjay Plaza, Juhu, Bombay-400 049 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Shah Abbas Sadiq Ali Khan
alias Sanjay Khan & Others.

(Transferee)

- (2) M/s. Tina Steels,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement, Sanjay Plaza, Juhu, Bombay-400 049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/40823/86-87 on 12-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-87

Seal :

FORM ITNS—

1) Mr. Hiren Manaharlal Shah,

(Transferor)

(2) M/s. Nihar Construction,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.C/37EE/41243/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Plot No. 42, 7th Road, J.V.P.D. Road, Scheme situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the force of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42, 7th Road, J.V.P.D. Road, Scheme

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/41243/86-87 on 29-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-87
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Arunaben Manharlal Shah.

(Transferor)

(2) M s. Nihar Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IIC
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR
AAYAKAR BHAVAN
MAHARSHI KARVE ROAD
BOMBAY

Bombay-400 020, the 31st July 1987

Ref. No. AR.IIC/37EE/41242/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Plot No. 51, JVPD Scheme, 7th Road, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, J.V.P.D. Scheme, 7th Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IIC/37EE/41242/86-87 on 29-12-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IIC, Bombay

Date : 31-7-87
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs. Dhun Dara Kelawala. (Transferor)
(2) Mr. Sharad Thakorbhai Patel. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/132/86-87.—Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 39, 5th floor, Ratanabad CHSL., Tukaram Javji
Road, Bombay-400 007,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Sec-
tion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 8-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

10—246 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 39, 5th floor of Ratanabad Co-op. Housing Society
Ltd., Tukaram Javji Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Autho-
rity, Bombay, under S. No. AR-IB/37EE/11256/85-87 on
8-12-1986.

R. C. PRAMANIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay.

Dated : 10-8-1987.
Seal :

FORM 112B

(1) Shri Deepak Kantilal Badiani & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Laxmichand Ramjibhai Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/133/86-87.—Whereas, I, R. C. PRAMANIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, of Girnar Building of Jai Girnar Premises CHSL., Tardeo Road Scheme, Bombay-400 034, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-12-1986, for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential premises being Flat No. 201 situated on the 2nd floor of Girnar Building of the Tardeo Scheme of the Jai Girnar Premises Co-operative Society Ltd., Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-IB/37EE/11259/86-87 on 10-12-1986.

R. C. PRAMANIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay.

Dated: 10-8-1987.
Seal;

FORM ITNS—

(1) Mr. Shiraj Gulamali Lehri & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Bombay Mercantile Co-operative Bank Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IB
BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expire later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR-IB/37EE/134/86-87.—Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Entire third, fourth and fifth floor premises of Nav-Ratan
Bldg. No. II, Plot No. 69, P. D'Mello Road, Bombay-
400 009,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Section
269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 11-12-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Entire third, fourth and fifth floor premises of Nav-Ratan
Bldg. No. II, Plot No. 69, P. D'Mello Road, Bombay-
400 009, admeasuring approx. 20250 sq. ft.The agreement has been registered by the Competent Autho-
rity, Bombay, under S. No. AR-IB/37EE/11222/86-87 on
11-12-1986.R. C. PRAMANIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 10-8-1987.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/135/86-87.—Whereas, I, R. C. PRAMANIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 191 of Lower Parcel Division at Dr. S. S. Road, Lower Parcel, Bombay-400 012, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-12-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Rajkamal Kalamandir P. Ltd. & Anr.
(Transferor)

(2) M/s. Ramesh Developers.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land bearing Plot No. 2A of C. S. No. 191 of Lower Parcel Division at Dr. S. S. Road, Lower Parcel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-IB/37EE/11281/86-87 on 12-12-1986.

R. C. PRAMANIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB
Bombay.

Dated : 10-8-1987.
Seal :

FORM NO. IT.N.S.-----

- (1) M/s. Haridas Tribhuvandas Sheth & Anr.
(Transferor)
- (2) M/s. Umedmal Punamchand & Anr.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB
BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/137/86-87.—Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herein after referred
to as the said Act) have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 7, 2nd floor of Kalyan Court Co-op. Hsg. Society
Ltd., K Block, Sicka Nagar, V. P. Road, Bombay-400 004,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under Sec-
tion 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on
2-12-1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of this said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of Kalyan Court Co-operative Hous-
ing Society Ltd., K-Block, Sicka Nagar, Vithalbhai Patel
Road, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Autho-
rity, Bombay, under S. No. AR-IB/37EE/11234/86-87 on
2-12-1986.

R. C. PRAMANIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay.

Dated : 10-8-1987.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Noble Paint & Varnish Co. (Transferor)
 (2) Mrs. Saranga Anil Agarwal & Anr. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay the 10th August 1987

Ref. No. AR/IB/37EE/138/86-87.—Whereas, I, R. C. PRAMANIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All that piece or parcel of land bearing C.S. No. 146 of Lower Parel Division alongwith building standing thereon at Ferguson Road, Lower Parel Division, Bombay-400 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land bearing C.S. No. 146 of Lower Parel Division along with buildings standing thereon at Ferguson Road, Lower Parel Division, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR./IB37EE/11236/86-87 on 3-12-1986.

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay

Dated : 10-8-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay the 10th August 1987

Ref. No. AR/IB/37EE/139/86-87.—Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mezanine Floor No. 21 of the building known as Mahesh Chambers, 391, Narshi Natha Street, Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhanushankar Gijrashankar Bhatt & Ors.
(Transferor)
(2) Tamilnad Mercantile Bank Ltd.
(Transferee)
(3) Transferor
(Person in occupation of the property)

Objections if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mezanine Floor No. 21 in the building known as Mahesh Chambers of Mahesh Business Premises Co-operative Society Limited, 391, Narshi Natha Street, Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR/IB/37EE/11237/86-87 on 3-12-1986.

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB
Bombay

Dated : 10-8-1987
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Mrs. Ishabai N. Topandasani,

(Transferor)

(2) Smt. Suman N. Jeswani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR/IB/37EE/140/13750/86-87.—Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 28, Building No. 1, Navjivan Co-op. Hsg. Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, Building No. 1, Navjivan Co-op. Housing Society Ltd., Lamington Road, Bombay-400 008.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR./37EE/11239/86-87 on 3-12-1986.

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

Dated : 10-8-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shreyance B. Shah.

(Transferor)

(2) M/s. Skmo Exports.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay the 10th August 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No AR/IB/37EE/141/13755/86-87.—Whereas, I, R. C. PRAMANIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 539 on the 5th floor of "Panchratna", Opera House, Bombay-400 004 (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 539 on the fifth floor of 'Panchiratna' Opera House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No A R/37EE/11243/86-87 on 4-12-1986.

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—246 GI/87

Dated : 10-8-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-IB,
BOMBAY

Bombay the 10th August 1987

Ref. No. AR/IB/37EE/142/13819/86-87.—Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land bearing Plot No. 6 of the 1st Transferor's lay-out forming part of larger piece bearing C.S. No. 191 (Part) of Lower Parel Division adm. 916 sq. metres, situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-12-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Rajkamal Kala Mandir Private Limited &
V. Shantaram alias Shantaram Rajaram Vendudrekar
(Transferor)
- (2) M/s. Hemal Construction. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 6 of the 1st transferor's lay-out forming part of larger piece bearing C.S. No. 191 (Part) of Lower Parel Division admeasuring 916 sq. metres.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR./37EE/11300/86-87 on 16-12-1986.

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB,
Bombay

Dated : 10-8-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/143/13818/85-87.—Whereas I, R. C. PRAMANIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing Plot No. 8 forming part of larger piece bearing C.S. No. 191 (Part) of Lower Parcel Division adm. 1043.72 Sq. m. situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-12-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rajkamal Kala Mandir Private Limited & Anr.
(Transferor)
(2) Messrs. Natasha Construction
(Transferee)
(3) Transferor
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 8 of the 1st Transferor's Lay out forming part of larger piece bearing C.S. No. 191 (part) of Lower Parcel Division, admeasuring 1043.72 sq. metres.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR. IB/37EE-11299/86-87 on 15-12-1986.

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Dated : 10-8-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Jayant Development Corporation (Transferor)
 (2) M/s. J. V. Navlakhi & Co. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Ref. No. AR. IB/37EE/150/8007/86-87.—Whereas, I, R. C. PRAMANIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 16th floor of Jaywant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-400 034 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-1-1987 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 16th floor of Jaywant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR. IB/73EE/11318/86-87 on 13-1-1987.

R. C. PRAMANIK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IB, Bombay

Dated : 10-8-1987.
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Dinaben Sudhir Shah

(Transferor)

(2) M/s. Sagar S. Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IB, BOMBAY

Bombay, the 10th August 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No AR IB/149/13849/86-87 —Whereas, I,
R. C. PRAMANIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

814, Prasad Chambers, Opera House, Bombay-400 004 situated
at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act in the Office of the Competent
Authority at
Bombay on 1-1-1987

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of —

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Apartment No 814 on 8th floor in Prasad Chambers, Opera
House, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay, under S. No. AR. 1A/37EE/11311/86-87
on 1-1-1987.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

R. C. PRAMANIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 10-8-1987
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION
1988

New Delhi, the 19th September 1987

No. F.14/3/87E.I.(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 28th February, 1988 at Agartala, Ahmedabad, Aizwal, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dharwar, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shilong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOW THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION. THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOW A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 28th January, 1988 will not be entertained under any circumstances.

2. The service/posts to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below :—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways **
- (ii) Junior Scale posts in Indian Ordnance Factories Health Service.**
- (iii) Junior Scale posts in the Central Health Service—200 (including 30 reserved for SC and 15 for ST candidates).
- (iv) Medical Officers in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 75 (including 11 reserved for SC and 6 for ST candidates).

The number of vacancies is liable to alteration.

**Vacancies not yet intimated by Government.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4. ELIGIBILITY CONDITIONS :—

(a) Nationality

A candidate must be either :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or

(iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1988.

The upper age limit is relaxable, as follows :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (v) up to maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof.

(xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;

(xiv) up to a maximum of five years in the case of ex-Servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1988 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1988 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment;

(xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1988 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1988) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment; who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;

(xvi) Up to a maximum of five years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1988 and are retained in Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for Civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment.

(xvii) Up to a maximum of ten years in case of ECOs/SSCOs who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st January, 1988 and are retained in the Military Service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing Civil employment who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xviii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;

(xix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January 1971 and 31st March, 1973.

(xx) up to a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

(xxi) upto a maximum of eleven years, if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE—Ex-Servicemen who have already joined Government job in Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment are not eligible to the age concession under Rule 4(b)(xiv) & 4(b)(xv) above.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognized by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculate maintained by a University which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, advice records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificate mentioned above.

NOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

NOTE 1.—A candidate who has appeared or has yet to appear at the final M.B.B.S Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination (cf. Note below para 6).

NOTE 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5 FEE

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty-eight). Payment must be made through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable

to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

NOTE : (i) Central Recruitment Fee Stamps (Not Postage Stamps) may be obtained from the post Office and affixed on the first page of the application form in the space provided for the purpose. The stamps may be got cancelled from the issuing post office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate identification of date and the post office of issue. Postage Stamps will in no case be acceptable in lieu of Central Recruitment Fee Stamp.

NOTE (ii)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

NOTE (iii)—If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination, 1987 wishes to apply for admission to 1988 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1987 examination, his candidature for the 1988 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days of the date of publication of the final result of the 1987 Examination in the Employment News.

6. HOW TO APPLY

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the *Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011*, through the application from published in newspaper dated 19th September, 1987 or in the employment news dated the 19th September, 1987. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies as long as the format is exactly the same as published in newspapers or in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated the 19th September, 1987. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as :

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION 1988."

(a) A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Crossed Bank/ Draft/Indian Postal Orders/ Central Recruitment Fees Stamps or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
- (ii) Attendance Sheet (Appendix II to the Commission's Notice as published in the Employment News dated the 19th September, 1987 in newspaper dated the 19th September, 1987 duly filled in on foolscap size paper.

(iii) Two identical copies of recent passport size (5 cms × 7 cms approx.), photographs of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(iv) One self-addressed post-card.

(v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms × 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

NOTE : APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1988.

1. CERTIFICATE OF AGE.

2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.

3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.

4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE. IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME. ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection field by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12-246 GI/87

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd November, 1987 (16th November, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates, residing abroad from a date prior to the 2nd November, 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangti Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 2nd November, 1987.

Note : (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note : (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

9. SCHEME OF EXAMINATION : The Examination will comprise :—

(A) Written Examination—The candidates will take the examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The question papers (Test Booklets), will be set in English only. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects :—

Paper I (Code No. 1) Weightage

- | | |
|---|-----|
| (i) General Medicine including Cardiology, Neurology, Dermatology and Psychiatry, | 60% |
| (ii) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics. | 40% |

Paper II (Code No. 2)

- | | |
|---|-----|
| (i) Paediatrics | 20% |
| (ii) Gynaecology and Obstetrics | 40% |
| (iii) Preventive, Social and Community Medicine | 40% |

(B) Personality test of candidates who qualify in the written examination 200 marks

Note 1 :—The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates along with the Admission Certificate.

Note II :—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (test booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity, critical powers or assimilation balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidates in the written examination and the personality test with 66% and 33% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts.

14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, prescribed is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person :

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :

(i) Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

(ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

(iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate; with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the result of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidate should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in this application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT : ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :

1. NAME OF THE EXAMINATION.
2. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
4. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N. B. (I).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N. B. (II).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER. IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

21. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This Publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, T Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001,

(ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700 001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India publications of various mofussil Towns.

22. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I.

M. K. KRISHNAN
Dy. Secy.

APPENDIX I

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below :

I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways :

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

- 1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.
- 6—10 Stages—Rs. 200/- P.M.
- 11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.
- 16th stage onwards—Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any Higher Authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with Defence of India, for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person :—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date to such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(i) *Reckoning Service*—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2473-A (C.S.R. 404-A) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.

(k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended/issued from time to time.

(l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations, A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.

(m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades—

(i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs. 3000—4500 plus restricted non-practicing allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.

(ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the post of Medical Superintendents in the scale of Rs. 3700—5000/- plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

(iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 3700—5000/- as prescribed from time to time, Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Additional Chief Medical Officers in the scale of Rs. 5100—5700/- with a non-Practicing allowance of Rs. 500/- p.m.

- (iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 5900-6700 plus non-practicing allowance of Rs. 500/- per month.

(n) Duties and Responsibilities—

Assistant Divisional Medical Officers :

- (i) He will attend the indoor wards and out patient department daily and as required.
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.
- (iii) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction.
- (iv) He will carry out examination of vendors.
- (v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge.

NOTE (1) : When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE (2) : ADMOs will also be required to perform such other duty as may be assigned to them from time to time.

II. Post of Assistant Medical Officer in the Indian Ordnance Factories Health Service under the Ministry of Defence :

(a) The post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates

at present are :—

| | |
|---------------------|---------------------|
| 1—5 stages | Rs. 150/- per month |
| 6—10 stages | Rs. 200/- per month |
| 11 stage and onward | Rs. 250/- per month |

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached of higher grades—

- (i) **SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/
ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES**

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services. The Scale of pay is Rs. 3000-100-3500-125-4500 plus NPA—

| | |
|--------------|---------------------|
| 1—3 stages | Rs. 250/- per month |
| 4—5 stages | Rs. 300/- per month |
| 6—7 stages | Rs. 350/- per month |
| 8—9 stages | Rs. 400/- per month |
| 10—11 stages | Rs. 450/- per month |

(ii) **PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY
DIRECTOR OF HEALTH SERVICES**

Officers who have put in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 3700-125-4700-150-5000 plus Rs. 600/- NPA.

(iii) **SUPERTIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH
SERVICES**

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Services, on completion of 6 years of service in the grade will be eligible for appointment as Director of Health Services with the pay scale of Rs. 7300-100-7600 per month plus Rs. 600/- NPA.

(g) **Nature of duties—(I) ASSISTANT MEDICAL OFFI-
CERS :**

- (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patients departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipments in their charge.
- (iv) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (v) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Office-in-Charge as per rules.

(2) **GDO Gr. I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH
SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER :**

- (a) ADHS posted at the Hqrs will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) **DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRIN-
CIPAL MEDICAL OFFICER :**

- (a) DDHS posted at the Hrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.

- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M. O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estt. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) **DIRECTOR OF HEALTH SERVICES :**

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UP&C.
- (e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estts.
- (f) He will initiate ACR's of DDHS and ADHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMOs.

III. **Junior Scale posts in the Central Health Service :**

The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 2200—4000) in their turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent posts.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc. Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P & T department etc. Private practice of any kind whatsoever including lab. and consultants practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :—

Junior Group A Scale (Medical Officer)

Scale : Rs. 2200—75—2800—EB—100—4000.

N.P.A.

Below Rs. 3000—Rs. 600 N.P.A. per month.

Rs. 3000 and above but below Rs. 3700.

Rs. 800 per month.

Rs. 3700 and above—Rs. 900 per month.

Medical Officers in the General Duty Cadre who have put in at least 5 years regular service in the grade will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale (Senior Medical Officer)

Scale : Rs. 3000—100—3500—125—4500.

N.P.A.

Rs. 3000 and above but below Rs. 3700—Rs. 800 per month.

Rs. 3700 and above—Rs. 900 per month.

Senior Medical Officers in the General duty Cadre with 5 years regular service in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer.

Chief Medical Officer

Scale Rs. 3700—125—4700—150—5000 plus NPA Rs. 900 per month.

Chief Medical Officer who has reached maximum of the scale, and has stagnated for not less than 2 years after regular appointment in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer (Selection Grade).

Chief Medical Officer (Selection Grade)

Scale : Rs. 4500—150—5700 plus NPA Rs. 900 per month.

Officers holding post in the grade of Chief Medical Officers selection grade with 7 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade.

Supertime Grade

Scale : Rs. 5900—200—6700 Plus NPA Rs. 900 per month.

IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi :

(i) The post is temporary in category 'A' but likely to be permanent in due course. The scale of pay (pre-revised) is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are :

| | |
|----------------------|-------------------|
| 1—5 stage | Rs. 150 per month |
| 6—10 stage | Rs. 200 per month |
| 11 stage and onwards | Rs. 250 per month |

(ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(iii) The candidates can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospital/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Central Primary Health Centres etc.

(iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.

